राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड,
जयपुर द्वारा आयोजित

AKSHANSH
PUBLICATION

CET
10+2 एवं स्नातक स्तर
हिन्दी

नवीनतम परीक्षा पैटर्न पर आधारित
अभिकथन-कारण, युग्म, सुमेलित, सत्य- असत्य प्रश्नों के पैटर्न पर

सारगर्भित प्रश्नोत्तरों का संकलन

VOLUME 6

THEORY+ MCQ+PYQ
एक ही पुस्तक में

2023 एवं 2024 में आयोजित (CET 10+2 एवं स्नातक स्तर - सभी SHIFT) हिन्दी के PYQ प्रश्नों का समावेश

MUKESH MARWADI SIR

अक्षांश पब्लिकेशन
M. 9079798005, 6376491126
Plot No 1104, Shiksha Mandir, Sec 4, Circle, Main Road, Udaipur

व्याख्यात्मक हल
लक्ष्य क्लासेज़, उदयपुर
के यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध

AKSHANSH
PUBLICATION

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर द्वारा आयोजित

CET

10+2 एवं स्नातक स्तर

हिन्दी

THEORY+ MCQ+PYQ

VOLUME 6

"अक्षांश प्रकाशन की समस्त पुस्तकें लक्ष्य क्लासेज़, उदयपुर के अनुभवी शिक्षकों के मार्गदर्शन एवं अक्षांश प्रकाशन की समर्पित टीम के सहयोग से तैयार की गई हैं।"

संपादक
मुकेश मारवाड़ी सर
सह संपादक
गंगासिंह, अनोपचंद मंडा
सुमेर प्रजापत

प्रकाशन
अक्षांश प्रकाशन, उदयपुर (राज.)

नोट :- अब लक्ष्य क्लासेज़ की सभी आगामी पुस्तकें केवल 'अक्षांश प्रकाशन' के माध्यम से ही प्रकाशित की जाएंगी। ये सभी पुस्तकें बाजार में 'अक्षांश' नाम से ही उपलब्ध होंगी। विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि आगामी समय में 'लक्ष्य' नाम से कोई भी पुस्तक प्रकाशित नहीं की जाएगी। इसलिए कृपया पुस्तक खरीदते समय केवल 'अक्षांश प्रकाशन' के नाम से प्रकाशित और अधिकृत पुस्तकें ही बुक स्टोर्स से प्राप्त करें, ताकि आपको प्रमाणिक, अद्यतन एवं परीक्षा-उपयुक्त सामग्री प्राप्त हो।भविष्य में 'लक्ष्य' नाम से प्रकाशित किसी भी पुस्तक की सामग्री या गुणवत्ता की जिम्मेदारी 'अक्षांश प्रकाशन' या 'लक्ष्य क्लासेज़, उदयपुर' की नहीं होगी।

प्रकाशन

अक्षांश प्रकाशन

Plot No 1104, Shiksha Mandir, Sec 4, Circle,
Main Road, Udaipur

लक्ष्य क्लासेज़, उदयपुर से जुड़ने के लिए QR CODE स्कैन करे

TELEGRAM INSTAGRAM YOUTUBE FACEBOOK WHATSAPP

बुक कोड - AP0126

©सर्वाधिकार - अक्षांश प्रकाशन
lakshyaclassesudr@gmail.com

मुख्य वितरक - लक्ष्य क्लासेज़, उदयपुर
M. 9079798005, 6376491126

इस पुस्तक में दी गई सभी जानकारियाँ, तथ्य और सूचनाएँ सावधानीपूर्वक सत्यापित की गई हैं। फिर भी यदि किसी जानकारी या तथ्य में कोई त्रुटि रह गई हो, तो उसके लिए प्रकाशक, संपादक या मुद्रक जिम्मेदार नहीं होंगे।

हमारा विश्वास है कि इस पुस्तक की सामग्री लेखकों द्वारा मौलिक रूप से तैयार की गई है। यदि किसी प्रकार का कॉपीराइट उल्लंघन सामने आता है, तो उसकी जिम्मेदारी प्रकाशक की नहीं होगी।

सभी विवादों के निपटारे के लिए न्यायिक क्षेत्र उदयपुर रहेगा।

अक्षांश प्रकाशन ने इस पुस्तक के तथ्यों तथा विवरणों को उचित स्त्रोतों से प्राप्त किया है। इस पुस्तक में प्रकाशित सभी प्रकार की सामग्री पूर्णतः तथ्यात्मक विश्लेषण पर आधारित है। इस पुस्तक के किसी भी भाग और सामग्री को अक्षांश प्रकाशन की अनुमति और जानकारी के बिना अन्यत्र प्रकाशित या प्रिन्ट करना अनुचित है, यदि ऐसा पाया जाता है तो व्यक्ति या संस्थान स्वयं जिम्मेदार है।

विषय वस्तु

क्र.	अध्याय	स्नातक स्तर	सीनियर सैकण्डरी स्तर	पृष्ठ संख्या
1.	राजभाषा हिंदी – संवैधानिक स्थिति	✓	✓	1–4
2.	वर्ण एवं ध्वनि का वर्गीकरण	✓	✗	5–7
3.	संज्ञा	✓	✓	8–10
4.	सर्वनाम	✓	✓	11–13
5.	विशेषण	✓	✓	14–17
6.	क्रिया	✓	✓	18–20
7.	अव्यय	✓	✓	21–24
8.	कारक	✓	✗	25–28
9.	संधि	✓	✓	29–39
10.	समास	✓	✓	40–45
11.	उपसर्ग	✓	✓	46–49
12.	प्रत्यय	✓	✓	50–57
13.	विराम चिन्ह	✓	✗	58–61
14.	पर्यायवाची शब्द	✓	✓	62–67
15.	विलोम शब्द	✓	✓	68–76
16.	अनेकार्थक शब्द	✓	✓	77–80
17.	शब्द युग्म	✗	✓	81–86
18.	वाक्यांश के लिए एक शब्द	✗	✓	87–91
19.	शब्द शुद्धि	✓	✓	92–96
20.	वाक्य शुद्धि	✓	✓	97–100
21.	मुहावरे	✓	✓	101–108
22.	लोकोक्तियाँ	✓	✓	109–116
23.	पत्र एवं उसके प्रकार	✓	✓	117–122
24.	पारिभाषिक शब्दावली	✓	✓	123–126
25.	CET 10+2 एवं स्नातक स्तर विगत वर्षों के प्रश्न 2024			127–136
26.	CET 10+2 एवं स्नातक स्तर विगत वर्षों के प्रश्न 2023			137–141

❑ ❑ ❑ ❑

राजभाषा एवं संवैधानिक स्थिति

01

- **राजभाषा –** शासन की भाषा अर्थात् वह मानक भाषा जिसे राज्य के शासन व प्रशासन संबंधी कार्यों में उपयोग में लाया जाता है। इसे स्वीकार करना नागरिकों की इच्छा पर निर्भर है, अनिवार्य नहीं।
- **राजभाषा–** राजभाषा का अर्थ है संविधान द्वारा स्वीकृत सरकारी कामकाज की भाषा। किसी देश का सरकारी कामकाज जिस भाषा में करने का कोई निर्देश संविधान के प्रावधानों द्वारा दिया जाता है, वह उस देश की राजभाषा कही जाती है।।।
- भारत के संविधान में हिन्दी भाषा को राजभाषा का दर्जा दिया गया है, किन्तु साथ ही यह भी प्रावधान किया गया है कि अंग्रेजी भाषा में भी केन्द्र सरकार अपना कामकाज तब तक कर सकती है जब तक हिन्दी पूरी तरह राजभाषा के रूप में स्वीकार्य नहीं हो जाती।
- प्रारम्भ में संविधान लागू होते समय सन् 1950 में यह समय सीमा 15 वर्ष के लिए थी अर्थात् अंग्रेजी का प्रयोग सरकारी कामकाज के लिए सन् 1965 तक ही हो सकता था, किन्तु बाद में संविधान संशोधन के द्वारा इस अवधि को अनिश्चितकाल के लिए बढ़ा दिया गया। यही कारण है कि संविधान द्वारा हिन्दी की राजभाषा घोषित किये जाने पर भी केन्द्र सरकार का अधिकांश सरकारी कामकाज अंग्रेजी में हो रहा है और वह अभी तक अपना वर्चस्व बनाए हुए है।
- केन्द्र सरकार की राजभाषा के अतिरिक्त अनेक राज्यों की राजभाषा के रूप में भी हिन्दी का प्रयोग स्वीकृत है। जिन राज्यों की राजभाषा हिन्दी स्वीकृत है, वे हैं- उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार, झारखण्ड, छत्तीसगढ़ एवं उत्तरांचल इन राज्यों के अलावा अन्य राज्यों ने अपनी प्रादेशिक भाषा को राजभाषा का दर्जा दिया है। यथा-पंजाब की राजभाषा पंजाबी, बंगाल की राजभाषो बंगला, आन्ध्र प्रदेश की राजभाषा तेलुगू तथा कर्नाटक की राजभाषा कन्नड़ है। इन प्रान्तों में भी सरकारी कामकाज प्रान्तीय भाषा में होने के साथ-साथ अंग्रेजों में हो रहा है।।
- निष्कर्ष यह है कि अंग्रेजी संविधान द्वारा भले ही किसी राज्य की राजभाषा स्वीकृत न की गई, हो, किन्तु व्यावहारिक रूप में उसका प्रयोग एक बहुत बड़े सरकारी कर्मचारी वर्ग द्वारा सरकारी कामकाज के लिए किया जा रहा है।
- **राष्ट्रभाषा–** राष्ट्रभाषा और राजभाषा के अन्तर को स्पष्ट कर लेना आवश्यक है। किसी देश की राष्ट्रभाषा उस देश के बहुसंख्यक लोगों की भाषा को माना जाता है। जब कोई भाषा अपने महत्व के कारण राष्ट्र के विस्तृत भू-भाग में जनता द्वारा अपना ली जाती है तो वह स्वतः राष्ट्रभाषा का पद प्राप्त कर लेती है। हिन्दी भारत की राष्ट्रभाषा है, क्योंकि वह उपर्युक्त कसौटी पर खरी उतरती है। राजभाषा का अभिप्राय है देश के संविधान द्वारा स्वीकृत वह भाषा, जिसमें संघीय सरकार अपना कामकाज करती है अर्थात् जो संवैधानिक तौर पर घोषित सरकारी कामकाज की भाषा होती है।
- भारतीय संविधान में अनुच्छेद 343 से 351 तक राजभाषा विषयक प्रावधान किये गये हैं और यह स्पष्ट हो गया है कि संघ की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी होगी।
- स्पष्ट है कि हिन्दी भारत में राजभाषा तो है, साथ ही भारत के बहुसंख्यक लोगों की भाषा होने के कारण राष्ट्रभाषा भी है। किन्तु 'राजभाषा' जहां संवैधानिक रूप से मान्यता प्राप्त भाषा को ही माना जाता है, वहां राष्ट्रभाषा का देश के संविधान से कोई लेना-देना नहीं।

राष्ट्रभाषा के लिए आवश्यक गुण

- जिस प्रकार किसी राष्ट्र की सम्प्रभुता एवं स्वाभिमान का प्रतीक राष्ट्रीय ध्वज एवं राजचिह्न होता है, ठीक उसी प्रकार राष्ट्र की संस्कृति एवं भाषा भी उसके आत्म गौरव और अस्मिता का प्रतीक होती है।
- भारत बहुभाषाभाषी राष्ट्र है। विस्तृत भू-भाग वाले इस राष्ट्र में कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक और कच्छ से लेकर ब्रह्मपुत्र तक अनेक भाषाएं एवं बोलियां बोली जाती हैं, किन्तु सांस्कृतिक दृष्टि से भारत 'एक' इकाई है। विभिन्नता में एकता भारत की दुर्बलता न होकर इसकी शक्ति है। कश्मीरी, सिन्धी, पंजाबी, हिन्दी, राजस्थानी, गुजराती, मराठी, उड़िया, असमिया, बंगला, तमिल, तेलुगू, कन्नड़, मलयालम जैसी अनेक समृद्ध भाषाएं भारत में व्यवहृत होती हैं। प्रश्न यह है कि इनमें से किसे राष्ट्रभाषा माना जाय और क्यों? सर्वप्रथम हमें राष्ट्रभाषा के लिए अपेक्षित गुणों पर विचार कर लेना चाहिए और, इसके बाद यह देखना चाहिए कि भारत की कौन-सी भाषा में ये गुण सर्वाधिक मात्रा में हैं। उसी को राष्ट्रभाषा का सम्मान दिया जाना चाहिए। सामान्यतः ये गुण निम्नलिखित हैं:
  1. राष्ट्रभाषा देश के बहुसंख्यक लोगों द्वारा प्रयोग में लायी जाती हो।
  2. उसमें उच्चकोटि के साहित्य की रचना हुई हो।
  3. उसका शब्द-भण्डार विस्तृत एवं समृद्ध हो।
  4. वह व्यापक क्षेत्र में व्यवहृत हो।
  5. उसका व्याकरण सरल एवं नियमबद्ध हो।
  6. उसकी लिपि सुस्पष्ट एवं वैज्ञानिक हो।
  7. वह राष्ट्रीय संस्कृति का प्रतिनिधित्व करती हो।
  8. वह भाषा राष्ट्रीय एकता में सहायक हो।
- हिन्दी के अतिरिक्त अन्य किसी भाषा में ये गुण विद्यमान नहीं हैं, अतः हिन्दी ही भारत की राष्ट्रभाषा के पद पर प्रतिष्ठित हो सकती है।
- उपर्युक्त विवेचन के आधार पर यह कहा जा सकता है कि हिन्दी भाषा में राष्ट्रभाषा बनने की क्षमता विद्यमान है। अंग्रेजी परस्त लोग भले ही हिन्दी का विरोध करते रहें, किन्तु यह ध्रुव सत्य है कि हिन्दी भारत की राष्ट्रभाषा है और एक दिन यह अन्तर्प्रान्तीय भाषा के रूप में सम्पर्क भाषा बनकर अंग्रेजी के वर्चस्व को समाप्त कर देगी।

राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति

- 14 सितम्बर, 1949 को संविधान सभा द्वारा भारत की राजभाषा के रूप में 'हिन्दी' को स्वीकार किया गया तथा 1953 से प्रतिवर्ष 14 सितम्बर को 'राष्ट्रीय हिन्दी दिवस' के रूप में मनाया जाने लगा।
- **भारतीय संविधान के भाग 17 के अनुच्छेद 343 (i) के अनुसार–**

1	अनुच्छेद 343	संघ की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी होगी। संघ के राजकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग होने वाले अंकों का रूप भारतीय अंकों का अन्तर्राष्ट्रीय रूप होगा।
2	अनुच्छेद 344	राष्ट्रपति राजभाषा आयोग बनाएंगे और संसद राजभाषा समिति गठित करेगी जो सुझावों पर विचार करेगी।

3	अनुच्छेद 345	राज्य अपने उपयोग हेतु राज्य की राजभाषा चुन सकते हैं; जब तक ऐसा नहीं होता, अंग्रेज़ी प्रयुक्त होगी।
4	अनुच्छेद 346	संघ और राज्यों के बीच आधिकारिक संचार हिन्दी या अंग्रेज़ी में किया जाएगा।
5	अनुच्छेद 347	राष्ट्रपति किसी भाषा को राज्य के भीतर मान्यता दे सकते हैं, यदि जनसंख्या का कोई भाग इसकी माँग करे।
6	अनुच्छेद 348	उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालय और संसद के विधेयक अंग्रेज़ी में लिखे और संचालित किए जाएँगे।
7	अनुच्छेद 349	संविधान लागू होने के 15 वर्षों तक राजभाषा संबंधी संशोधन केवल राष्ट्रपति की सिफारिश पर संभव होगा।
8	अनुच्छेद 350	कोई भी व्यक्ति भाषा संबंधी शिकायत राष्ट्रपति या राज्यपाल को दे सकता है।
9	अनुच्छेद 350(क)	बच्चों को मातृभाषा में प्राथमिक शिक्षा का अधिकार; सरकार इसकी व्यवस्था करेगी।
10	अनुच्छेद 351	केंद्र सरकार हिन्दी का विकास, प्रसार और भारतीय भाषाओं से समृद्धिकरण सुनिश्चित करेगी।
11	आठवीं अनुसूची	मूल संविधान (26 जनवरी 1950) में 14 भाषाओं को मान्यता मिली थी, जबकि वर्तमान (2026 तक) में 22 भाषाएँ शामिल हैं।

◈ **3 संविधान संशोधन करके निम्न भाषाएँ जोड़ी गई-**

वर्ष	संविधान संशोधन	जोड़ी गई भाषा
1967	21 वाँ	सिन्धी
1992	71 वाँ	नेपाली, मणिपुरी, कोंकणी
2003-04	92 वाँ	संथाली, मैथिली, बोडो, डोगरी

नोट- राजस्थानी और भोजपुरी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में सम्मिलित नहीं किया गया है।

◈ **राजभाषा आयोग :-**

1. राजभाषा से संबंधित सभी प्रावधानों पर अंतिम निर्णय राष्ट्रपति का होता है।

2. भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. **राजेन्द्र प्रसाद** द्वारा **7 जून, 1955** को रा**जभाषा आयोग** का गठन **बालगंगाधर खेर** (बी.जी. खेर) की अध्यक्षता में किया गया। आयोग में देश के विभिन्न राज्यों से **20 सदस्यों** को मनोनीत किया गया जिन्होंने अपनी 19 सिफारिशें प्रस्तुत की।

◈ **आयोग की सिफारिशों के आधार पर भारत को भाषायी तौर पर तीन वर्गों में बाँटा गया है –**

1. **'क' वर्ग –** इस वर्ग में हिन्दी भाषा में राजकार्य करने वाले राज्यों को शामिल किया गया यथा—हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान, बिहार, उत्तराखण्ड, छत्तीसगढ़, झारखण्ड व दिल्ली।

2. **'ख' वर्ग –** इस श्रेणी में हिंदी, अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं को मान्यता देने वाले राज्यों को शामिल किया गया है यथा – पंजाब, चण्डीगढ़, गुजरात, अण्डमान निकोबार, महाराष्ट्र इत्यादि।

3. **'ग' वर्ग –** शेष सभी प्रदेशों को इसमें रखा गया है।

◈ **हिन्दी राजभाषा के रूप में –** संपूर्ण भारत का लगभग 33% भाग ही हिन्दी को राजभाषा के रूप मे स्वीकार करता हैं।

◈ **विश्व हिन्दी दिवस - 10 जनवरी 1975** को प्रथम विश्व हिन्दी सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें **30 देशों** से **122 प्रतिनिधियों** ने भाग लिया। इसमें मुख्य अतिथि मॉरीशस के **प्रधानमंत्री शिव सागर रामगुलाम** थे और इस सम्मेलन का उद्घाटन एवं अध्यक्षता भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने की।

◈ इसी दिवस को यादगार बनाने के लिए 2006 से **10 जनवरी** को **विश्व हिन्दी दिवस** के रूप में मनाया जाता है।

◈ **नोट-** मातृभाषा दिवस- 21 फरवरी- इसी को राजस्थानी भाषा दिवस कहते है।

राजभाषा हिन्दी की समस्याएं

हिन्दी पूर्णतः राजभाषा नहीं बन सकी है, इसके कुछ प्रमुख कारण निम्नवत् हैं:

1. अधिकांश सरकारी अधिकारी अंग्रेजी के पक्के भक्त हैं। वे अंग्रेजी के ही माध्यम से चयनित होकर राजकीय सेवा में आये हैं। इस कारण से हिन्दी का प्रयोग करने के प्रस्ताव फाइलों में दबे रह जाते हैं।
2. अंग्रेजी अंग्रेजों की भाषा है और अंग्रेजों ने बहुत समय तक इस देश में शासन किया है, इसलिए अंग्रेजी का व्यवहार करना लोग उच्चता और गौरव का प्रतीक समझते हैं।
3. लोगों में देशभक्ति, राष्ट्रीयता और अपनी संस्कृति से लर्गव की भावना उत्पन्न नहीं हुई है।
4. हिन्दी की वर्णमाला में 52 अक्षर हैं। इसलिए टाइपराइटर, कम्प्यूटर और छापेखाने का काम हिन्दी में उतनी शीघ्रता से नहीं होता, जितनी शीघ्रता से अंग्रेजी माध्यम से होता है।
5. विदेशों से सम्पर्क का माध्यम अंग्रेजी है। विदेश जाने के इच्छुक लोग अंग्रेजी का व्यावहारिक ज्ञान करने के लिए पूर्णरूप से अंग्रेजी का व्यवहार करते हैं और उसी के चिन्तन में लगे रहते हैं और हिन्दी का व्यवहार भूल कर भी नहीं करते।
6. सुप्रीम कोर्ट ही नहीं, हाईकोर्ट और अधिकांश जिला कोर्ट भी अपना काम अंग्रेजी में करते हैं, इसलिए वकीलों, न्यायाधीशों आदि को अंग्रेजी का प्रयोग करना पड़ता है।।

ये समस्याएं हिन्दी के राजभाषा बनने के मार्ग में बाधा बनी हुई हैं। इनका समाधान निम्नलिखित उपायों द्वारा किया जा सकता है:

(1) अंग्रेजी भक्त सरकारी अधिकारी धीरे-धीरे सेवा निवृत्त हो जायेंगे। यदि नये आने वाले अधिकारी अंग्रेजी भक्त न बन पावें तो हिन्दी राजभाषा बन सकती है। अधिकारियों की मानसिकता बदलने से ही हिन्दी राजाभाषा बन सकेगी।

(2) स्वाभिमान की भावना को जाग्रत करके ही अंग्रेजी के व्यवहार को गौरवपूर्ण और हिन्दी के व्यवहार को हीनता समझना दूर किया जा सकता है।

(3) देशभक्ति, राष्ट्रीयता और भारतीय संस्कृति की श्रेष्ठता का भाव शासन नहीं जगा सकता। यह काम हिन्दी भक्तों को ही करना पड़ेगा।

(4) टाइपराइटर, कम्प्यूटर एवं छापेखाने में हिन्दी की प्रवृत्ति के अनुरूप सुधार करके इनमें हिन्दी के माध्यम से तीव्रगति से कार्य किया जा सकता है।

(5) विदेशों से सम्पर्क सभी को नहीं करना पड़ता। विदेशों में जाने वाले भारतीय प्रतिनिधि मण्डल को अंग्रेजी के स्थान पर हिन्दी का प्रयोग करना चाहिए।

(6) आई. ए. एस., आई. पी. एस. में हिन्दी माध्यम अपनाया जाने लगा है। उच्च न्यायालय और जिला न्यायालय कुछ कार्य हिन्दी में करने लगे हैं। आवश्यकता इस बात की है कि सभी सरकारी कामकाज हिन्दी में ही किया जाय।

अभ्यास प्रश्न

1. किस क्रम में कथन असत्य है?
(a) संविधान में 14 सितम्बर, 1950 को हिन्दी को राजभाषा घोषित किया गया।
(b) हिन्दी का राजभाषा के रूप में, प्रयोग स्वतंत्रता के बाद ही प्रारम्भ हुआ।
(c) संविधान के अनुच्छेद 348 एवं 349 में उच्चतम और न्यायालयों की भाषा के बारे में प्रावधान है।
(d) संविधान के अनुच्छेद 345 का सम्बन्ध राज्य की राजभाषा अथवा राजभाषाओं से है। **[a]**

2. भाषाओं को आठवीं अनुसूची में शामिल किए जाने के ऐतिहासिक क्रम/संशोधनों के संबंध में असंगत (गलत) विकल्प छाँटिए:
(a) 21वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1967 द्वारा सिंधी भाषा को 15वीं भाषा के रूप में जोड़ा गया था।
(b) 71वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 द्वारा कोंकणी, मणिपुरी और नेपाली भाषाओं को शामिल किया गया।
(c) 92वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2003 द्वारा बोडो, डोगरी, मैथिली और संथाली भाषाओं को जोड़ा गया।
(d) मूल संविधान लागू होते समय वर्ष 1950 में मैथिली और डोगरी सहित कुल 14 भाषाएं अनुसूची में शामिल थीं। **[d]**

3. भारतीय संविधान के भाग XVII (राजभाषा) के अनुच्छेदों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए और कूट की सहायता से सही उत्तर चुनिए:
1. अनुच्छेद 343 के अनुसार संघ की राजभाषा हिंदी और लिपि देवनागरी होगी।
2. अनुच्छेद 344 के तहत राष्ट्रपति द्वारा राजभाषा के संबंध में एक आयोग और संसद की समिति के गठन का प्रावधान है।
3. अनुच्छेद 348 यह स्पष्ट करता है कि उच्चतम न्यायालय (Supreme Court) और उच्च न्यायालयों (High Courts) की सभी कार्यवाहियां केवल अंग्रेजी भाषा में होंगी (जब तक संसद कानूनन अन्यथा प्रावधान न करे)।
(a) केवल 1 और 2 सही हैं।
(b) केवल 2 और 3 सही हैं।
(c) केवल 1 और 3 सही हैं।
(d) 1, 2 और 3 सभी सही हैं। **[d]**

4. निम्नलिखित राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों को उनकी 'प्रथम आधिकारिक राजभाषा' के रूप में 'अंग्रेजी' चुनने के आधार पर सुमेलित कूट पहचानिए:

राज्य/यूटी (A)	आधिकारिक राजभाषा (B)
(I) नागालैंड	**(i) अंग्रेजी**
(II) मेघालय	**(ii) अंग्रेजी**
(III) मिजोरम	**(iii) मिजो और अंग्रेजी**
(IV) जम्मू और कश्मीर	**(iv) कश्मीरी, डोगरी, उर्दू, हिंदी और अंग्रेजी**

(a) I-i, II-ii, III-iii, IV-iv
(b) I-iv, II-iii, III-ii, IV-i
(c) I-ii, II-i, III-iv, IV-iii
(d) I-iii, II-iv, III-i, IV-ii **[a]**

5. 'शास्त्रीय भाषा' के दर्जे के संबंध में निम्नलिखित में से असत्य कथन छाँटिए:
(a) तमिल भारत की पहली भाषा थी जिसे वर्ष 2004 में 'शास्त्रीय भाषा' का दर्जा दिया गया था।
(b) संस्कृत भाषा को वर्ष 2005 में शास्त्रीय भाषा घोषित किया गया था।
(c) वर्तमान में भारत की सभी 22 राजभाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा प्राप्त हो चुका है।
(d) हाल ही में भारत सरकार द्वारा मराठी, पालि, प्राकृत, असमिया और बांग्ला को भी शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिए जाने की मंजूरी दी गई है। **[c]**

6. किस क्रम में सत्य कथन है?
(a) सरकारी कामकाज की भाषा को राजभाषा कहते हैं।
(b) संविधान की आठवीं सूची में 15 भाषाएँ है।
(c) संविधान में हिन्दी को राष्ट्रभाषा घोषित किया गया है।
(d) केन्द्रीय हिन्दी समिति का अध्यक्ष मुख्यमंत्री होता है। **[a]**

7. राजभाषा विभाग की स्थापना कब की गई थी?
(a) 14 सितम्बर, 1949 को
(b) 26 जनवरी, 1950 को
(c) 5 अगस्त, 1956 को
(d) 25 जून, 1975 को **[d]**

8. भारतीय संविधान में 'राजभाषा' शब्द का प्रयोग किस अर्थ में किया गया है?
(a) किसी विशिष्ट राज्य में प्रयुक्त भाषा के रूप में
(b) जनभाषा के रूप में
(c) सम्पर्क भाषा के रूप में
(d) सरकारी कामकाज के लिए प्रयुक्त भाषा के रूप में **[d]**

9. निम्न में से किस नियम के अंतर्गत हिंदी के प्रगामी प्रयोग को प्रभावी ढंग से लागू करने के उद्देश्य से पूरे भारत को तीन क्षेत्रों में बाँटा गया है?
(a) राजभाषा नियम, 1976
(b) राजभाषा अधिनियम, 1963
(c) राजभाषा अधिनियम, 1967
(d) राजभाषा नियम, 1973 **[a]**

10. देवनागरी लिपि के सुधार के संदर्भ में 'अ' की बारहखड़ी को किसने भ्रामक माना था?
(a) महात्मा गाँधी ने
(b) बाबू श्याम सुन्दर दास ने
(c) आचार्य नरेन्द्र देव समिति ने
(d) काका कालेलकर समिति ने **[c]**

11. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 346 के अनुसार, दो राज्यों के बीच या किसी राज्य और संघ के बीच पत्रादि की राजभाषा के संबंध में क्या प्रावधान है?
(a) पत्राचार केवल हिंदी भाषा में ही होगा।
(b) पत्राचार केवल अंग्रेजी भाषा में ही होगा।
(c) संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए उस समय प्राधिकृत भाषा ही पत्राचार की भाषा होगी, लेकिन यदि दो या अधिक राज्य आपसी सहमति से हिंदी को स्वीकार करें तो हिंदी का प्रयोग किया जा सकता है।
(d) संबंधित राज्यों की अपनी स्थानीय भाषा में पत्राचार किया जाएगा। **[c]**

12. संविधान के अनुच्छेद 347 के संबंध में कौन-सा कथन सत्य है?
(a) यह सर्वोच्च न्यायालय की भाषा से संबंधित है।
(b) यदि किसी राज्य की जनसंख्या का एक पर्याप्त भाग अपनी बोली जाने वाली भाषा को राज्य द्वारा मान्यता दिए जाने की मांग करे, तो राष्ट्रपति उस भाषा को भी उस राज्य में आधिकारिक मान्यता देने का निर्देश दे सकते हैं।
(c) यह केवल प्राथमिक शिक्षा में मातृभाषा के प्रयोग की अनुमति देता है।
(d) इसके तहत केवल संसद ही किसी नई भाषा को राजभाषा घोषित कर सकती है। **[b]**

13. राजभाषा नियम, 1976 के अनुसार, 'क' क्षेत्र (Region A) में स्थित किसी केंद्रीय सरकारी कार्यालय से 'ग' क्षेत्र (Region C) में स्थित किसी कार्यालय को भेजे जाने वाले पत्र किस भाषा में होने चाहिए?
(a) अनिवार्य रूप से केवल हिंदी में
(b) अनिवार्य रूप से केवल अंग्रेजी में
(c) सामान्यतः अंग्रेजी में या हिंदी में भेजे जाने पर साथ में अंग्रेजी अनुवाद होना आवश्यक है
(d) उस राज्य की क्षेत्रीय भाषा में **[c]**

14. निम्नांकित में से कौन-सी विशेषता देवनागरी में नहीं है?
(a) इसमें जैसा उच्चारण होता है वैसा ही लिखा जाता है।
(b) इसमें एक ध्वनि के लिये एक ही प्रतीक है।
(c) इसमें शिरोरेखा का प्रयोग महत्त्वपूर्ण है।
(d) विकास की दृष्टि से यह लिपि ब्राह्मी एवं खरोष्ठी की समकालीन है। **[d]**

15. राष्ट्र-भाषा होती है-
(a) अधिकतर राज्यों की भाषा
(b) राज्य विशेष की भाषा
(c) राष्ट्र की राजधानी की भाषा
(d) राष्ट्र के लोगों की सम्पर्क भाषा **[d]**

16. राजभाषा (संशोधन) अधिनियम, 1967 द्वारा संशोधित राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3(3) के अंतर्गत निम्नलिखित में से किन दस्तावेजों के लिए हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं का एक साथ (द्विभाषी) प्रयोग अनिवार्य किया गया है?
1. संकल्प, सामान्य आदेश और नियम।
2. प्रशासनिक या अन्य प्रतिवेदन (Reports) और प्रेस विज्ञप्तियाँ।
3. संसद के किसी सदन या सदनों के समक्ष रखे जाने वाले प्रशासनिक रिपोर्ट।
4. केंद्रीय सरकार द्वारा या उसकी ओर से निष्पादित संविदाएँ और अनुज्ञप्तियाँ ।
कूट:
(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 1, 2 और 3
(c) केवल 3 और 4
(d) 1, 2, 3 और 4 सभी **[d]**

17. उच्च न्यायालयों (High Courts) के संदर्भ में अनुच्छेद 348(2) और राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 7 के संयुक्त प्रभाव के बारे में कौन-सा कथन सत्य है?
(a) राज्यपाल राष्ट्रपति की सहमति से केवल उच्च न्यायालय की 'कार्यवाहियों' (Proceedings) में हिन्दी के प्रयोग को प्राधिकृत कर सकते हैं, 'निर्णयों या आदेशों' (Judgments/Orders) में नहीं।
(b) राज्यपाल राष्ट्रपति की सहमति से उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए 'निर्णयों, डिक्रियों या आदेशों' में हिन्दी के प्रयोग को प्राधिकृत कर सकते हैं, बशर्ते उसका अंग्रेजी अनुवाद भी उपलब्ध कराया जाए।
(c) सुप्रीम कोर्ट की भाषा बदलने का अधिकार भी राज्य के राज्यपाल के पास है।
(d) उच्च न्यायालय के निर्णयों की भाषा बदलने के लिए राष्ट्रपति की सहमति आवश्यक नहीं है, केवल संसद का कानून पर्याप्त है। **[b]**

18. संविधान के अनुच्छेद 350 ख (350B) के तहत 'भाषाई अल्पसंख्यक-वर्गों के लिए विशेष अधिकारी' के संदर्भ में कौन-सा कथन असत्य है?
(a) इस पद का सृजन 7वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1956 द्वारा किया गया था।
(b) इस विशेष अधिकारी की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
(c) यह अधिकारी भाषाई अल्पसंख्यकों के रक्षोपायों से संबंधित प्रतिवेदन सीधे देश के मुख्य चुनाव आयुक्त को सौंपता है।
(d) राष्ट्रपति इस प्रतिवेदन को संसद के प्रत्येक सदन के समक्ष रखवाते हैं और संबंधित राज्यों की सरकारों को भिजवाते हैं। **[c]**

19. एक राज्य और दूसरे राज्य के बीच, या किसी राज्य और संघ के बीच पत्रादि की राजभाषा के संदर्भ में अनुच्छेद 346 के परंतुक (Proviso) के अनुसार, यदि दो या अधिक राज्य यह करार करते हैं कि उनके बीच पत्रादि की भाषा हिन्दी होगी, तो:
(a) वे केवल अंग्रेजी का ही उपयोग जारी रखने के लिए बाध्य हैं जब तक संसद कानून न बनाए।
(b) ऐसे पत्रादि के लिए अंग्रेजी के स्थान पर हिन्दी भाषा का प्रयोग किया जा सकेगा।
(c) उन्हें अनिवार्य रूप से अपनी क्षेत्रीय भाषाओं का अनुवाद भी साथ में संलग्न करना होगा।
(d) इस करार को लागू करने के लिए राष्ट्रपति के विशेष अध्यादेश की आवश्यकता होती है। **[b]**

20. संविधान का अनुच्छेद 349 भाषा से संबंधित कुछ विधियों को अधिनियमित करने के लिए एक विशेष प्रक्रिया निर्धारित करता है। इसके अनुसार, संविधान के प्रारंभ से 15 वर्ष की अवधि के दौरान भाषा से संबंधित कोई भी विधेयक या संशोधन संसद में किसकी पूर्व सिफारिश/मंजूरी के बिना पेश नहीं किया जा सकता था?
(a) भारत के मुख्य न्यायाधीश
(b) लोकसभा अध्यक्ष
(c) भारत के राष्ट्रपति
(d) राजभाषा विभाग के केंद्रीय मंत्री **[c]**

♦♦♦♦

वर्ण एवं ध्वनि का वर्गीकरण 02

- ◈ वर्णों के व्यवस्थित क्रम को वर्णमाला कहते हैं।
- ◈ भाषा की सबसे छोटी उच्चारित इकाई ध्वनि कहलाती है।
- ◈ लिखित ध्वनि अर्थात् भाषा की सबसे छोटा लिखित अंश वर्ण कहलाता है।
- ◈ भाषा का वह अंश जिसका उच्चारण श्वास के एक झटके में पूर्ण हो जाए उसे अक्षर कहते हैं।

वर्ण के प्रकार –

- ◈ हिंदी वर्णमाला में **मूल वर्णों** की संख्या **44** होती है परंतु **कुल वर्ण 53** माने गए है, जो निम्नानुसार है-

वर्णों का वर्गीकरण :-

हिन्दी में कुल वर्णों की संख्या – 53					
स्वर - 11	**अयोगवाह - 2**	**व्यंजन - 33**	**संयुक्ताक्षर - 4**	**उत्क्षिप्त व्यंजन - 2**	**विशिष्ट व्यंजन - 1**
अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ	अं, अः	क्, ख्, ग्, घ्, ङ्, च्, छ्, ज्, झ्, ञ्, ट्, ठ्, ड्, ढ्, ण्, त्, थ्, द्, ध्, न्, प्, फ्, ब्, भ्, म्, य्, र्, ल्, व्, श्, ष्, स्, ह्।	क्ष्, त्र्, ज्ञ्, श्र्	ड़्, ढ़्	ळ

1. उच्चारण स्थान के आधार पर :-

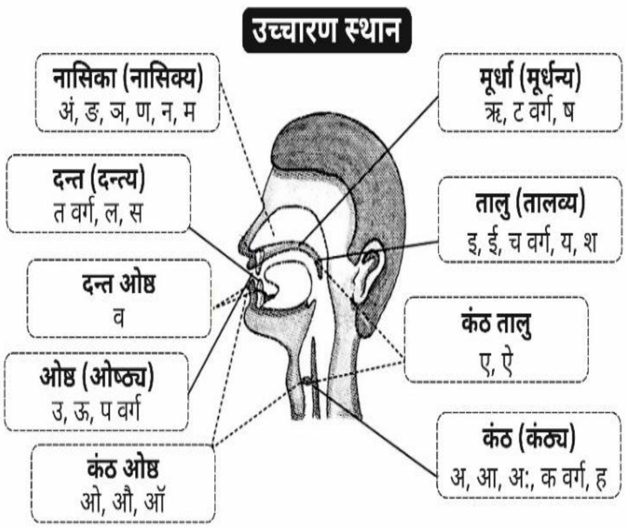

2. स्वर-तंत्रियों में कंपन/नाद/घोष के आधार पर :-

अघोष	**घोष**
उच्चारण में फेफड़ों से निकलने वाली वायु स्वर-तंत्रियों से बिना टकराये आसानी से निकल जाए।	उच्चारण के समय फेफड़ों से निकलने वाली वायु स्वर-तंत्रियों से टकराकर घोष (नाद) उत्पन्न करती हो।
क्, ख् च्, छ् ट्, ठ् त्, थ् प्, फ् श्, ष्, स	**ग्, घ्, ङ् ज्, झ्, ञ् ड्, ढ्, ण् द्, ध्, न् ब्, भ्, म् य्, र्, ल्, व्, ह् सभी स्वर (11)**

3. प्राण वायु प्रक्षेप की दृष्टि से :–

अल्पप्राण	**महाप्राण**
उच्चारण में कम हवा (प्राण या श्वास) बाहर निकलती है।	उच्चारण में अधिक हवा या श्वास बाहर निकलती है।
क्, ग्, ङ् च्, ज्, ञ् ट्, ड्, ण् त्, द्, न् प्, ब्, म् य्, र्, ल्, व् सभी स्वर	**ख्, घ् छ्, झ् ठ्, ढ् थ्, ध् फ्, भ् श्, ष्, स्, ह् विसर्ग (अः)**

- ◈ **वर्ण दो प्रकार के होते हैं-**

(I) स्वर (II) व्यंजन

I. स्वर (अच्)

- ◈ जिन वर्णों या ध्वनियों का उच्चारण करने के लिए अन्य किसी वर्ण की सहायता नहीं लेनी पड़ती तथा जिन वर्गों के उच्चारण में हवा बिना किसी रुकावट के मुँह से बाहर आती है, स्वर कहलाते हैं।
- ◈ हिन्दी में **स्वरों की संख्या 11** मानी गई हैं, ये हैं- **अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ।**

स्वरों की मात्राएँ :-

- ◈ **'अ'** को छोड़कर प्रत्येक स्वर की मात्रा होती है। जब स्वरों का व्यंजनों के साथ प्रयोग किया जाता है, तो उनकी मात्राओं का ही प्रयोग किया जाता है।

A. स्वरों का वर्गीकरण –

1. उत्पत्ति अथवा मात्रा काल के आधार पर -

ह्रस्व स्वर	**दीर्घ स्वर**	**प्लुत स्वर**
उच्चारण समय में केवल एक मात्रा का समय लगे अर्थात् कम से कम समय लगे	उच्चारण समय में मूल स्वरों की अपेक्षा दुगुना समय, अर्थात् दो मात्राओं का समय लगता है	जिन स्वरों के उच्चारण में दीर्घ स्वरों से भी अधिक समय लगता है,
अ, इ, उ, ऋ	आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ,	अ३, इ३, उ३, ॐ

- ◈ **नोट – ए, ओ, ऐ, औ** ये संयुक्त/संधि स्वर कहलाते हैं। ये दो स्वरों के मेल से बनते हैं।

अ + इ = ए अ + ए = ऐ

अ + उ = ओ अ + ऊ = औ

2. जिह्वा के भाग के आधार पर –

◈ जिह्वा के तीनों भाग- अग्र, मध्य और पश्च के आधार पर स्वरों का वर्गीकरण किया जाता है -

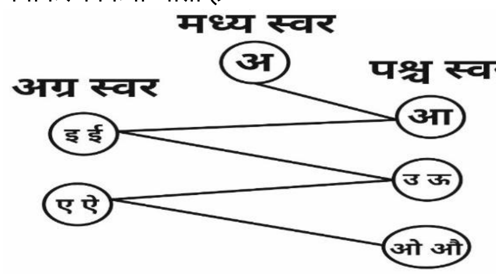

3. मुखाकृति के आधार पर – मुख के आकार के आधार पर

संवृत	अर्द्धसंवृत	विवृत	अर्द्धविवृत
उच्चारण के दौरान बिल्कुल कम मुँह खुले	**उच्चारण के दौरान संवृत से थोड़ा ज्यादा मुँह खुले**	**उच्चारण के दौरान पूरा मुँह खुले**	**उच्चारण के दौरान विवृत से थोड़ा कम मुँह खुले**
इ, ई, उ, ऊ	**ए, ओ**	**आ**	**अ, ऐ, औ**

4. ओष्ठों की स्थिति के आधार पर -

अवृत्तामुखी स्वर	**वृत्तामुखी स्वर**
उच्चारण में होठ गोल नहीं होते हैं	उच्चारण में होठ गोल होते हैं
अ, आ, इ, ई, ए, ऐ	उ, ऊ, ओ, औ, ऑ

II. व्यंजन

◈ जिन वर्गों का उच्चारण स्वरों की सहायता से होता है, वे व्यंजन कहलाते हैं। किसी व्यंजन का उच्चारण तभी किया जा सकता है, जब उसमें स्वर मिला हुआ हो। जिन ध्वनियों का उच्चारण करते समय फेफड़ों से निकलने वाली वायु मुख विवर या स्वर तंत्र के किसी भाग से टकरा कर घर्षण करती हुई या रुक कर बाहर निकलती है, उन्हें व्यंजन ध्वनियाँ कहते हैं। हिन्दी वर्णमाला में **33 व्यंजन** होते हैं।

जैसे-क्, ख्, ग् आदि।

B. व्यंजनों का वर्गीकरण –

1. प्रयत्न के आधार पर व्यंजनों के भेद -

स्पर्श व्यंजन	**अंतस्थ व्यंजन**	**ऊष्म व्यंजन**
क्, ख्, ग्, घ्, ङ् च्, छ्, ज्, झ्, ञ् ट्, ठ्, ड्, ढ्, ण् त्, थ्, द्, ध्, न् प्, फ्, ब्, भ्, म्	य्, र्, ल्, व्	श्, ष, स्, ह्

2. उच्चारण के आधार पर व्यंजनों के भेद -

1.	**स्पर्श**	**क्, ख्, ग, घ् ट्, ठ्, ड्, ढ् त्, थ्, द्, ध् प्, फ्, ब्, भ्**
2.	**स्पर्श-संघर्षी**	**च्, छ्, ज्, झ्**
3.	**नासिक्य**	**ङ्, ञ्, ण्, न्, म्**
4.	**संघर्षहीन/अर्द्धस्वर**	**य्, व्**
5.	**प्रकंपित/लुंठित**	**र्**
6.	**पार्श्विक**	**ल्**
7.	**संघर्षी**	**श्, ष, स्**
8.	**अलिजिह्वा/काकल्य/ख़रतंत्री**	**ह्**

1. द्वित्व व्यंजन – दो समान व्यंजनों का साथ-साथ प्रयुक्त होना जिसमें पहला व्यंजन स्वर रहित हो द्वित्व कहलाता है।

जैसे – बच्चा, बल्ला, बिल्ली, अब्बू, कच्ची, सम्मान आदि।

2. गृहीत ध्वनियाँ –

◈ **ऑ –** इसका प्रयोग केवल अंग्रेजी के शब्दों में किया जाता है। यह 'आ' और 'ओ' के बीच की ध्वनि है।

जैसे— बॉल, कॉल, हॉल, डॉक्टर, डॉल आदि।

◈ **'ज़' और 'फ़'**– इनका प्रयोग केवल अरबी-फारसी के शब्दों में किया जाता है; जैसे-कागज, सजा, जरा, शरीफ़, कफ़न, नफ़रत आदि।

अरबी/ फ़ारसी भाषा से आगत वर्ण **क़, ख़, ग़, ज़, फ़**

3. वर्ण विच्छेद/विश्लेषण –

◈ शब्द के वर्णों को अलग-अलग करना वर्ण-विच्छेद कहलाता है। इसके ज्ञान द्वारा वर्तनी व उच्चारण की अशुद्धियों से बचा जा सकता है **जैसे-**

अचानक – अ + च् + आ + न् + अ + क् + अ

स्वच्छ – स् + व् + अ + च् + छ् + अ

कमल – क् + अ + म् + अ + ल् + अ

4. अयोगवाह –

◈ हिन्दी में दो अयोगवाह ध्वनिया हैं- **अं और अः**।

◈ अनुस्वार (ं) और विसर्ग (:) दोनों ध्वनियाँ न स्वर हैं और न व्यंजन। इन दोनों के साथ योग नहीं है।

◈ इनका मेल हमेशा स्वर के साथ होता है।

◈ **विशेष- उत्क्षिप्त - 'ड़'** और **'ढ़'** ध्वनियाँ **'ड'** और **ढ'** से भिन्न हैं। ये दोनों ध्वनियाँ कभी शब्द के प्रारंभ में नहीं आती।

5. अनुनासिक – जो स्वर मुख और नाक से बोले जाते हैं, वे अनुनासिक स्वर कहलाते हैं। इनके ऊपर चंद्र-बिंदु (ँ) लगाया जाता है। नाक की सहायता से बोले जाने के कारण इन्हें 'अनुनासिक' कहा जाता है **जैसे-गाँव, पाँच।**

6. अनुस्वार – जिस स्वर का उच्चारण करते समय हवा नाक से निकलती है और उच्चारण कुछ जोर से किया जाता है तथा लिखते समय व्यंजन के ऊपर (ं) लगाया जाता है, उसे अनुस्वार कहते हैं। **जैसे- कंठ, चंचल, मंच, अंधा, बंदर, कंधा।**

7. अनुस्वार और अनुनासिक में अंतर -उच्चारण करते समय जब वायु नासिका से टकराकर या रुककर बाहर निकले तो ऐसे स्वर अनुस्वार कहलाते हैं उच्चारण करते समय जब वायु मुख के साथ-साथ नासिका से भी बाहर निकले, तो ऐसे स्वर अनुनासिक कहलाते हैं **जैसे-पाँच।**

अभ्यास प्रश्न

1. **इनमें से किस विकल्प के सभी वर्ण 'मूर्धन्य' हैं–**

(a) ठ, ण, घ, ध

(b) र, ड ष, ट

(c) ट, ढ, ष, फ

(d) ण, ऋ, ढ़, झ **[b]**

2. **'ढ़' वर्ण सम्बन्धी सही कथन है-**

(a) उत्क्षिप्त, मूर्धन्य, सघोष, महाप्राण

(b) उत्क्षिप्त, मूर्धन्य, अघोष, महाप्राण

(c) उत्क्षिप्त, मूर्धन्य, अघोष, अल्पप्राण

(d) मूर्धन्य, स्पर्श, अघोष, महाप्राण **[a]**

3. निम्नलिखित में से कौन–सी ध्वनियाँ अघोष हैं?

A. छ **B. ज**
C. त **D. न**
E. प

नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधित उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए–

(a) केवल B, D और E (b) केवल B, C और D
(c) केवल A, C और E (d) केवल A, D और E [c]

4. निम्नलिखित में से कौन–सी बात गलत है?

(a) 'ध' सघोष, महाप्राण, दन्त्य है।
(b) 'ब' सघोष, ओष्ठ्य, महाप्राण है।
(c) 'च' अघोष, तालव्य, अल्पप्राण है।
(d) 'ख' कंठ्य, महाप्राण, अघोष है। [b]

5. निम्नलिखित में गलत विवरण है :

(a) वर्गीय पंचम व्यंजन (ङ्, ञ, ण्, न्, म्) अनुनासिक अल्पप्राण हैं।
(b) सभी वर्गों के द्वितीय – चतुर्थ वर्ण महाप्राण हैं।
(c) उच्चारण के अनुसार स्वरों के दो भेद हैं – सानुनासिक और निरनुनासिक।
(d) कुछ स्वर अल्पप्राण और कुछ महाप्राण हैं। [d]

6. उच्चारण-स्थल की दृष्टि से इ, उ, ऋ वर्ण का सही क्रम है-

(a) मूर्द्धन्य, ओष्ठ्य, तालव्य
(b) तालव्य, मूर्द्धन्य, ओष्ठ्य
(c) तालव्य, ओष्ठ्य, मूर्द्धन्य
(d) ओष्ठ्य, तालव्य, मूर्द्धन्य [c]

7. मूर्धन्य ध्वनियाँ कौन–सी है?

(a) प, फ, ब, भ (b) च, छ, ज, झ
(c) ट, ठ, ड, ढ (d) त, थ, द, ध, न [c]

8. किन ध्वनियों को 'अनुस्वार' कहा जाता है?

(a) स्वर के बाद में आने वाली नासिक्य ध्वनियाँ
(b) स्वतंत्र रूप से उच्चारित ध्वनियाँ
(c) स्वर के साथ आने वाली ध्वनियाँ
(d) व्यंजन के बाद में आने वाली ध्वनियाँ [a]

9. किन ध्वनियों को 'अनुस्वार' कहा जाता है?

(a) स्वर के बाद में आने वाली नासिक्य ध्वनियाँ
(b) स्वतंत्र रूप से उच्चारित ध्वनियाँ
(c) स्वर के साथ आने वाली ध्वनियाँ
(d) व्यंजन के बाद में आने वाली ध्वनियाँ [a]

10. तालव्य व्यंजन हैं–

(a) ट, ठ, ड, ढ (b) च, छ, ज, झ
(c) त, थ, द, ध (d) प, फ, ब, भ [b]

11. स्वर तंत्रियों में कंपन के आधार पर हिन्दी वर्णमाला में व्यंजनों के दो वर्ग बनते हैं?

(a) अल्प्रपाण, महाप्राण (b) स्पर्श, अंतःस्थ
(c) अघोष, सघोष (d) ऊष्म, स्पर्श [c]

12. किस क्रम में तालव्य व्यंजन है?

(a) ट, ठ, ड, ढ, ण (b) क, ख, ग, घ, ङ
(c) च, छ, ज, झ, ञ (d) त, ध, द, थ, न [c]

13. ज और ध का उच्चारण स्थान है–

(a) कंठ्य, तालव्य (b) ओष्ठ्य, नासिक्य
(c) मूर्धन्य ओष्ठ्य (d) तालव्य, दन्त्य [d]

14. निम्नलिखित में से संयुक्त व्यंजन कौन–से है?

(a) य, र, ल, व (b) श, स, ष, ह
(c) क्ष, त्र, ज्ञ (d) प, फ, ब, भ [c]

15. अल्पप्राण ध्वनियों का समूह कौन-सा है?

(a) क, ख, ग (b) च, ज, ञ
(c) त, थ, न (d) ट, ठ, ण। [b]

16. व्यंजन के संदर्भ में केवल असंगत कथनों का चयन कीजिए—

कथन:

1. व्यंजन के उच्चारण में वायु बिना किसी अवरोध के बाहर निकलती है।
2. व्यंजन के उच्चारण में विभिन्न स्थानों पर अवरोध उत्पन्न होता है।
3. व्यंजन ध्वनि के उच्चारण में स्वर का कोई योगदान नहीं होता।
4. व्यंजन ध्वनि अवरोध हटने पर स्पष्ट होती है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए—

(a) केवल 3 और 4 (b) केवल 2 और 4
(c) केवल 1, 2 और 3 (d) केवल 1 और 3 [d]

17. निम्नलिखित शब्दों को हिन्दी शब्दकोश के सही अनुक्रम (पहले से बाद के क्रम) में व्यवस्थित कीजिए:

1. क्षितिज **2. कण्ठ**
3. कृषक **4. क्रम**
5. क्या

नीचे दिए गए कूट में से सही विकल्प चुनिए:

(a) 2, 1, 3, 4, 5
(b) 2, 3, 1, 5, 4
(c) 1, 2, 3, 4, 5
(d) 2, 1, 4, 3, 5 [a]

18. सूची-I (ध्वनि युग्म) को सूची-II (भाषावैज्ञानिक विशेषता) से सुमेलित कीजिए:

सूची-I (ध्वनि युग्म)	सूची-II (भाषावैज्ञानिक विशेषता)
A. य्, व्	1. मूर्धन्य, सघोष, उच्छिप्त
B. ड़, ढ़	2. कंठ-तालव्य, सघोष, स्वर
C. ए, ऐ	3.दंतौष्ठ्य/ओष्ठ्य,अल्पप्राण-महाप्राण, संघर्षहीन/स्पर्श
D. व, फ	4. तालव्य/दंतौष्ठ्य, सघोष, अर्धस्वर

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A-4, B-1, C-2, D-3
(b) A-4, B-2, C-1, D-3
(c) A-3, B-1, C-2, D-4
(d) A-1, B-4, C-3, D-2 [a]

19. निम्नलिखित कथन और कारण पर विचार कीजिए और सही उत्तर चुनिए –

अभिकथन (A): अग्रस्वर के उच्चारण में जिह्वा मुँह के आगे की ओर जाती है।

कारण (R): इ, ई, ए, ऐ अग्रस्वर के उदाहरण हैं।

(a) A सही है, R गलत है
(b) A और R दोनों सही हैं, परन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं है
(c) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
(d) A गलत है, R सही है [c]

♦♦♦♦

अर्थ एवं परिभाषा–

◈ संज्ञा एक विकारी शब्द है। **संज्ञा** शब्द दो शब्दों '**सम् + ज्ञा**' के योग से बना है, जिसका अर्थ 'सम्यक् ज्ञान' होता है। विभिन्न शब्दकोशों में **संज्ञा का अर्थ 'नाम'** भी बताया गया है।

◈ किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, जाति, द्रव्य, गुण, भाव और क्रिया आदि के नाम को संज्ञा कहते हैं।

जैसे - पशु (जाति), सुंदरता (गुण), व्यथा (भाव), मोहन (व्यक्ति), दिल्ली (स्थान), मारना (क्रिया)।

संज्ञा के भेद :-

- संज्ञा
  - व्यक्तिवाचक संज्ञा
  - जातिवाचक संज्ञा
    - पदार्थ/द्रव्यवाचक संज्ञा
    - समुदाय/समूहवाचक संज्ञा
  - भाववाचक संज्ञा

व्यक्तिवाचक संज्ञा

◈ जिन संज्ञा शब्दों के द्वारा किसी व्यक्ति विशेष, वस्तु विशेष, स्थान विशेष इत्यादि का बोध होता है, व्यक्तिवाचक संज्ञा शब्द कहलाते हैं। व्यक्तिवाचक संज्ञाएँ प्रायः अर्थहीन होती हैं तथा इनकी विशेषता हैं कि ये केवल एक ही व्यक्ति, पदार्थ, वस्तु या स्थान के नाम को इंगित करती हैं।

जैसे– गंगा, लक्ष्य, जोधपुर, राजस्थान, अरावली आदि।

◈ व्यक्तिवाचक संज्ञा में निम्नलिखित शब्दों को सम्मिलित किया जाता है-

1.	**व्यक्तियों के नाम**	राम, मोहन, सीता, कालू
2.	**दिशाओं के नाम**	पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण
3.	**देशों के नाम**	भारत, चीन, जापान, अमेरिका
4.	**राष्ट्रीय जातियाँ**	भारतीय, चीनी, जापानी
5.	**नदियों के नाम**	गंगा, यमुना, कावेरी, घाघरा
6.	**समुद्रों के नाम**	अरब सागर, प्रशांत महासागर
7.	**पर्वतों के नाम**	अरावली, हिमालय, विंध्याचल
8.	**नगरों के नाम**	जयपुर, अजमेर, पटना, दिल्ली
9.	**समाचार-पत्रों के नाम**	राजस्थान पत्रिका, दैनिक भास्कर हिंदुस्तान टाइम्स
10.	**पुस्तकों के नाम**	रामायण, रामचरितमानस, मेघदूत
11.	**दिनों के नाम**	सोमवार, मंगलवार, बुधवार
12.	**महीनों के नाम**	जनवरी, फरवरी, मार्च, फाल्गुन
13.	**ग्रह नक्षत्रों के नाम**	पृथ्वी, सूर्य, चंद्रमा, मंगल
14.	**त्योहारों के नाम**	होली, दीपावली, ईद

जातिवाचक संज्ञा

◈ जिन संज्ञा शब्दों के द्वारा किसी प्राणी, वस्तु या समुदाय की पूरी जाति या वर्ग का बोध होता है, जातिवाचक संज्ञा शब्द कहलाते हैं। जातिवाचक संज्ञाएँ सर्वदा अर्थयुक्त होती हैं तथा ये सदैव अनेक के अर्थ को प्रकट करती हैं।

जैसे– पुस्तक, शिशु, मनुष्य, लड़की, पर्वत, नदी, घड़ी, टेबल, पशु-पक्षी, देश, नगर इत्यादि।

विशेष–

◈ विशेष अर्थ में एवं तुलनात्मक प्रयोग होने पर जातिवाचक अथवा अन्य संज्ञाएँ व्यक्तिवाचक में बदल जाती है, अर्थात् वाक्यों में प्रयुक्त संज्ञा कभी-कभी व्यक्तिवाचक होते हुए भी जातिवाचक के रूप में प्रयुक्त होती है और कभी-कभी जातिवाचक संज्ञा व्यक्तिवाचक संज्ञा के रूप में प्रयुक्त होती है।

A. व्यक्तिवाचक संज्ञा जातिवाचक संज्ञा के रूप में –

◈ आप तो पूरे विभीषण निकले।' यहाँ 'विभीषण' शब्द व्यक्तिवाचक होते हुए भी जातिवाचक संज्ञा के रूप में प्रयुक्त हुआ है।

◈ इसी प्रकार, **'आप कलयुग के <u>भीम</u> हो।'**

B. जातिवाचक संज्ञा व्यक्तिवाचक के रूप में –

◈ 'पंडितजी को कौन नहीं जानता।' यहाँ 'पंडित' शब्द जातिवाचक होते हुए भी व्यक्तिवाचक के रूप में प्रयुक्त हुआ है।

◈ इसी प्रकार, दाऊ से कृष्ण के भाई बलराम का, गोस्वामी से तुलसीदास का बोध होता है। अतः ये जातिवाचक संज्ञाएँ व्यक्तिवाचक संज्ञाएँ बनकर प्रयुक्त हुई हैं।

जैसे-

1. गोसाईं/ गोस्वामी – गायों का स्वामी (जातिवाचक)

◈ गोस्वामी तुलसीदास (व्यक्तिवाचक)

2. गाय– जातिवाचक संज्ञा ◈ कामधेनु गाय– व्यक्तिवाचक संज्ञा।

3. घोड़ा– जातिवाचक संज्ञा ◈ चेतक घोड़ा– व्यक्तिवाचक संज्ञा

जातिवाचक संज्ञा के उपभेद–

(क) पदार्थ/द्रव्यवाचक संज्ञा–

◈ जिन संज्ञा शब्दों से किसी धातु, पदार्थ, द्रव आदि का बोध हो, द्रव्यवाचक संज्ञा शब्द कहलाते हैं। ये संज्ञाएँ अगणनीय (गिनने योग्य नहीं) और परिमाणात्मक/मात्रात्मक संज्ञाएँ होती हैं।

जैसे– लोहा, सोना, चाँदी, तेल, घी, पानी, दूध, चीनी, अन्न आदि।

(ख) समूहवाचक/समुदायवाचक संज्ञा–

◈ जिन संज्ञा शब्दों से किसी समूह या समुदाय का बोध हो, समूहवाचक या समुदायवाचक संज्ञा कहते हैं। ये संज्ञाएँ गणनीय (गिनने योग्य) और एकवचन-बहुवचन दोनों रूपों में प्रयुक्त हो सकती हैं।

जैसे– पुलिस, कक्षा, संघ, सेना, झुंड, दल, वर्ग, परिवार, गुलदस्ता, दरबार, समिति, आयोग, कुंज, आगार इत्यादि।

भाववाचक संज्ञा

◈ जिन संज्ञा शब्दों से वस्तुओं या पदार्थों की अवस्था, गुण, दोष, धर्म, दशा, व्यापार, भाव, स्वभाव आदि का बोध हो, भाववाचक संज्ञा शब्द कहलाते हैं। जातिवाचक संज्ञा के समान भाववाचक संज्ञा भी अर्थयुक्त होती है।

जैसे– लंबाई, बचपन, बुढ़ापा, कृत्रिमता, मिठास, क्रोध, यौवन, सुंदरता, हँसी, शत्रुता, मित्रता, मातृत्व आदि।

भाववाचक संज्ञाओं की रचना

- कुछ संज्ञा शब्द मूलत: भाववाचक होते हैं तथा कुछ अन्य शब्दों से बनाये जाते हैं। जैसे - वीर से वीरता, मम से ममत्व, अपना से अपनापन आदि।
- भाववाचक संज्ञाएँ पाँच (5) प्रकार के शब्दों से बनती हैं-

(i) जातिवाचक संज्ञा से भाववाचक संज्ञा बनाना–

ता	मनुष्य–मनुष्यता, प्रभु–प्रभुता, मित्र–मित्रता, शत्रु- शत्रुता
त्व	नेता–नेतृत्व, सती–सतीत्व, स्त्री–स्त्रीत्व, व्यक्ति–व्यक्तित्व, कवि–कवित्व
पन	बच्चा–बचपन, बाल–बालपन, लड़का–लड़कपन
इ	भक्त–भक्ति, मुक्त–मुक्ति
ई	चोर–चोरी, नौकर–नौकरी, दोस्त- दोस्ती
आपा	बहिन–बहनापा

(ii) सर्वनाम से भाववाचक संज्ञा बनाना–

त्व	अपना–अपनत्व, स्व–स्वत्व, निज–निजत्व
पन	पराया–परायापन, अपना–अपनापन
स्व	सर्व – सर्वस्व

(iii) विशेषण से भाववाचक संज्ञा बनाना–

आई	साफ–सफाई
आस	खट्टा–खटास, मीठा–मिठास
ता	वीर–वीरता, उदार–उदारता, सरल–सरलता, चतुर - चतुरता
य	मधुर–माधुर्य, स्वस्थ–स्वास्थ्य, सुन्दर–सौन्दर्य
पन	पीला–पीलापन, खट्टा–खट्टापन,
त्व	वीर–वीरत्व
ई	लाल–लाली, बुरा-बुराई, गरीब-गरीबी

(iv) क्रिया से भाववाचक संज्ञा बनाना–

अ	खेलना–खेल, लूटना–लूट, जीतना–जीत
ई	हँसना–हँसी
आई	पढ़ना–पढ़ाई, चढ़ना–चढ़ाई, लिखना–लिखाई
आवट	थकना–थकावट, बनाना–बनावट, लिखना–लिखावट
आव	चुनना–चुनाव
आहट	गुनगुनाना–गुनगुनाहट, घबराना–घबराहट

(iv) अव्यय से भाववाचक संज्ञा बनाना–

ई	दूर–दूरी
य	समीप–सामीप्य
ता	निकट–निकटता, शीघ्र–शीघ्रता

भाववाचक संज्ञाओं के अन्य उदाहरण -

1. जातिवाचक संज्ञा से भाववाचक संज्ञा -

शिशु	शैशव, शिशुता
विद्वान	विद्वता
मित्र	मित्रता
पशु	पशुता
पुरुष	पुरुषत्व
गुरु	गौरव
कुमार	कौमार्य
सेवक	सेवा
सज्जन	सज्जनता
आदमी	आदमियत
इंसान	इंसानियत
दानव	दानवता
ब्राह्मण	ब्राह्मणत्व
बूढ़ा	बुढ़ापा
बंधु	बंधुत्व
ईश्वर	ऐश्वर्य
चोर	चोरी
ठग	ठगी

2. सर्वनाम से भाववाचक संज्ञा -

मम	ममत्व/ममता
निज	निजत्व
स्व	स्वत्व
एक	एकता
आप	आपा

3. विशेषण से भाववाचक संज्ञा -

भयानक	भय
विधवा	वैधव्य
चालाक	चालाकी
शिष्ट	शिष्टता
सूक्ष्म	सूक्ष्मता
ऊँचा	ऊँचाई
नम्र	नम्रता
मोटा	मोटापा
प्यासा	प्यास
निपुण	निपुणता
बहुत	बहुतायत
मूर्ख	मूर्खता
वीर	वीरता
न्यून	न्यूनता
आवश्यक	आवश्यकता
हरा	हरियाली
भूखा	भूख
पतित	पतन
सुंदर	सुंदरता
सरल	सरलता
शूर	शूरता, शौर्य
लोभी	लोभ
सहायक	सहायता
आलसी	आलस्य
छोटा	छुटपन
दुष्ट	दुष्टता
काला	कालापन/कालिमा
निर्बल	निर्बलता

4. क्रिया से भाववाचक संज्ञा -

सुनना	सुनवाई
गिरना	गिरावट
चलना	चाल
कमाना	कमाई
बैठना	बैठक
पहचानना	पहचान
खेलना	खेल

जीना	जीवन
चमकना	चमक
सजाना	सजावट
लिखना	लिखावट
पढ़ना	पढ़ाई
जलना	जलन
पूजना	पूजा
हँसना	हँसी
गूंजना	गूँज
जलना	जलन
भूलना	भूल
गाना	गान
उड़ना	उड़ान
हारना	हार
थकना	थकावट
पीना	पान
बिकना	बिक्री

5. अव्यय से भाववाचक संज्ञा -

मना	मनाही
दूरी	दूर
ऊपर	ऊपरी
निकट	निकटता
निचाई	नीचे
धिक्कार	धिक्
शीघ्रता	शीघ्र

व्युत्पति के आधार पर संज्ञा के भेद –व्युत्पति के आधार पर संज्ञा के दो भेद हैं–

1. रूढ़ संज्ञा **2.** यौगिक संज्ञा।

1. **रूढ़ संज्ञा** – जो संज्ञाएँ अलग-अलग निरर्थक खंडों से मिलकर बनी हों और जो केवल एक अर्थ को प्रकट करें, उन्हें **'रूढ़ संज्ञा'** कहते हैं; जैसे– बल, घर, काम इत्यादि।
2. **यौगिक संज्ञा** – ऐसी संज्ञाएँ जो अलग-अलग सार्थक खंडों से मिलकर बनी हों, उन्हें **'यौगिक संज्ञा'** कहते हैं; जैसे– विद्यालय (विद्या + आलय), देवालय (देव + आलय), धर्मशाला (धर्म + शाला) इत्यादि।

अभ्यास प्रश्न

1. संज्ञा शब्दों के संबंध में असंगत कथन है
(a) संज्ञा शब्दों में केवल दो ही कारणों - लिंग और वचन - से विकार होता है, अन्य किसी कारण से नहीं होता।
(b) भाववाचक संज्ञाएँ क्रिया, विशेषण आदि शब्दों से बनाई जाती हैं।
(c) व्यक्तिवाचक संज्ञा अनेक बार जातिवाचक संज्ञा के रूप में परिवर्तित होती है ।
(d) कई बार जातिवाचक संज्ञा का प्रयोग व्यक्तिवाचक संज्ञा के रूप में होता है। **[a]**

2. किस विकल्प के सभी शब्द भाववाचक संज्ञा हैं?
(a) बालक, प्रीति, अनेकता (b) पशुता, पुस्तक, शौर्य
(c) सौन्दर्य, अपनापन, निपुण (d) ईर्ष्या, बचपन, नैतिकता **[d]**

3. इनमें से किस विकल्प में सभी शब्द जातिवाचक संज्ञा हैं?
(a) हिमालय, काशी, शहर (b) दिल्ली, पहाड़, कामना
(c) पहाड़, बालक, नदी (d) शहर, पहाड़, मोहन **[c]**

4. निम्न में से किस विकल्प में सभी शब्द जातिवाचक संज्ञा हैं?
(a) भारत, रामायण, मोहन (b) पुस्तक, पहाड़, नदी
(c) जयपुर, लड़की, बुढ़ापा (d) गंगा, हिमालय, मनुष्य **[b]**

5. निम्न में से किस विकल्प में सभी शब्द भाववाचक संज्ञा नहीं हैं?
(a) मिठास, शिष्टता, माहात्म्य (b) राष्ट्रीयता, देवत्व, माधुर्य
(c) नम्रता, दासता, व्यावहारिक (d) दानव, मनुष्य, ब्राह्मण **[d]**

6. निम्नलिखित वाक्यों में से कौन भाववाचक संज्ञा का उदाहरण नहीं है?
(a) बुढ़ापा जीवन की कठिन अवस्था है।
(b) रामचरितमानस हिंदी साहित्य की अनुपम निधि है।
(c) मित्रता जीवन का परम धर्म है।
(d) ममता स्त्री का असली धन है। **[b]**

7. किस विकल्प में सभी शब्द विशेषण शब्दों से निर्मित 'भाववाचक संज्ञा' हैं?
(a) मिठास, एकता, अच्छाई (b) ममत्व, निकटता, भूल
(c) सुझाव, वीरता, पढ़ाई (d) सुंदरता, अपनत्व, चुनाव **[a]**

8. निम्नलिखित में से किस विकल्प में सभी शब्द व्यक्तिवाचक संज्ञा हैं?
(a) गंगा, तालाब, नदी, समुद्र
(b) बकरी, घड़ी, चाचा, होली
(c) जनवरी, पृथ्वी, चाँदनी चौक, प्रदीप
(d) लड़ाई, ममता, हाथ, रामायण **[c]**

9. किस वाक्य में व्यक्तिवाचक संज्ञा, जातिवाचक संज्ञा के रूप में प्रयुक्त हुई है?
(a) हमें बुराइयों से दूर रहना चाहिए।
(b) भाषा की भिन्नताओं के बावजूद देशवासी अभिन्न हैं।
(c) लौह पुरुष के दृढ़ संकल्प ने देश को एक सूत्र में बाँधा।
(d) देश को नटवरलालों ने तरह–तरह से ठगा है। **[d]**

10. निम्नलिखित में से किस विकल्प में सभी शब्द व्यक्तिवाचक संज्ञाएँ हैं?
(a) ममता, बैल, राधेश्याम
(b) राधेश्याम, पन्नालाल, हिमालय
(c) आम, साधना, ऊँचाई
(d) गाय, मूर्खता, चालाकी **[b]**

11. निम्नलिखित में से किस विकल्प में सभी शब्द भाववाचक संज्ञाएँ हैं?
(a) धैर्य, चतुराई, प्रेम (b) अकेलापन, वृक्ष, दृढ़ता
(c) खुलापन, फूहड़ता, सूर्य (d) उदासी, शेर, चालाकी **[a]**

12. 'भाववाचक संज्ञा' के अंतर्गत आते हैं-
(a) पशु-पक्षी आदि (b) गुण-दोष आदि
(c) दिशाएँ आदि (d) आभूषण आदि **[b]**

13. किस समूह में सभी शब्द विशेषण से निर्मित भाववाचक संज्ञा हैं?
(a) बड़प्पन, सजावट, चलन (b) चतुराई, लड़कपन, चढाई
(c) बुढापा, गरमी, घबराहट (d) कठोरता, मिठास, सरदी **[d]**

14. 'देश का विकास लड़कों से नहीं, लड़कियों से होगा।' इस वाक्य में प्रयुक्त संज्ञाओं के वर्गीकरण का सही युग्म क्या है?
(a) व्यक्तिवाचक – भाववाचक (b) जातिवाचक – जातिवाचक
(c) भाववाचक – जातिवाचक (d) समूहवाचक – व्यक्तिवाचक **[b]**

15. निम्नलिखित में से किस विकल्प में सभी शब्द 'भाववाचक संज्ञा' के उदाहरण हैं?
(a) अमीर, गरीब, समूह, मिठास
(b) जवानी, खट्टा, पुस्तक, गंगा
(c) कड़वाहट, बुढ़ापा, उन्नति, चालाकी
(d) धैर्य, चालाक, लोहा, कक्षा **[c]**

♦♦♦♦

<table><tr><td colspan="3" align="center">**सर्वनाम**</td></tr><tr><td>**सर्व**</td><td>+</td><td>**नाम**</td></tr><tr><td colspan="3" align="center">**सब का नाम**</td></tr></table>

- **अर्थ एवं परिभाषा –** सर्वनाम शब्द वे होते हैं जिनका संज्ञा शब्दों के स्थान पर प्रयोग होता है। वस्तुतः एक ही वाक्य में संज्ञा शब्दों की बार-बार होने वाली पुनरावृत्ति को रोकने के लिए उनके स्थान पर सर्वनाम शब्दों को प्रयुक्त किया जाता है।
- सर्वनाम शब्द दो शब्दों **'सर्व + नाम'** के योग से बना है, जिसमें **सर्व** अर्थात् **'सभी'** और **'नाम'** अर्थात् **'संज्ञा'** है। इस प्रकार सर्वनाम शब्द का अर्थ **'सब का नाम'** होता है, अर्थात् जो शब्द संज्ञा शब्दों के स्थान पर प्रयुक्त होते हैं, सर्वनाम शब्द कहलाते हैं।
- संज्ञा शब्दों के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्दों को सर्वनाम कहते हैं।

जैसे– अमृत जोधपुर में पढ़ता है। वह राम का बचपन का मित्र है।

- प्रस्तुत उदाहरण में 'अमृत' संज्ञा शब्द की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए 'वह' सर्वनाम शब्द प्रयुक्त हुआ है।
- सर्वनाम शब्दों के प्रयोग से भाषा सरल, सहज और सुंदर हो जाती है। साथ ही ये शब्द संज्ञा के पुनरुक्ति दोष से भी बचाते हैं।
- हिन्दी में सर्वनामों की **कुल संख्या 11** हैं। वे हैं- **मैं, तू, आप, यह, वह, कोई, कुछ, जो, सो, कौन, क्या।**

सर्वनाम के भेद :-

A. प्रयोग एवं अर्थ के आधार पर सर्वनाम के छह भेद होते हैं–

1. पुरुषवाचक सर्वनाम	**2.** निजवाचक सर्वनाम
3. निश्चयवाचक सर्वनाम	**4.** अनिश्चयवाचक सर्वनाम
5. सम्बन्धवाचक सर्वनाम	**6.** प्रश्नवाचक सर्वनाम

1. पुरुषवाचक सर्वनाम

- जिस सर्वनाम का प्रयोग किसी पुरुष या स्त्री के लिए होता है तथा जिसमें वक्ता (बोलने वाले), श्रोता (सुनने वाले) तथा किसी अन्य पुरुष (जिसके संबंध में कुछ कहा जा रहा है), इन तीनों में से किसी एक पुरुष का बोध कराया जाए, उसे पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं।

जैसे– मैं, तुम, वह

(i) <u>मैं</u> जोधपुर में रहती हूँ।

(ii) <u>तुम</u> कहाँ रहते हो?

पुरुषवाचक सर्वनाम के भेद –

(i) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम – वे सर्वनाम शब्द जिनका प्रयोग बोलने वाला (वक्ता) और लिखने वाले (लेखक) स्वयं अपने लिए करते हैं, उत्तम पुरुष वाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

जैसे- मैं, मेरा, मेरी, मेरे, हम, हमारा, हमारी, हमारे, मुझको, मुझे आदि।

(i) **<u>मैं</u>** लिखता हूँ।

(ii) **<u>हमें</u>** सदा सच बोलना चाहिए।

(iii) **<u>हमारा</u>** घर बहुत सुन्दर है।

(iv) **<u>मैंने</u>** आज बहुत सारे फल खाए थे।

(v) **<u>मुझे</u>** आज बहुत काम हैं।

(ii) मध्यम पुरुष वाचक सर्वनाम – वे सर्वनाम शब्द जिनका प्रयोग वक्ता (बोलने वाला), श्रोता (सुनने वाले) के लिए करता है, मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

जैसे– तुम, तू, तेरा, तुम्हारा, तुम्हारी, तुम्हारे, तुझे, आप, आपका, आपकी, आपके आदि।

(i) **<u>तू</u>** क्या कर रहा है? (ii) **<u>तुम</u>** बहुत सुंदर हो।

(iii) **<u>तुम्हे</u>** क्या चाहिए? (iv) **<u>आप</u>**का क्या नाम है।

(iii) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम – वे सर्वनाम शब्द जिनका प्रयोग वक्ता (बोलने वाला) और श्रोता (सुनने वाले) किसी अन्य व्यक्ति के लिए करते हैं, अन्य **पुरुषवाचक सर्वनाम** कहलाते हैं। दूसरे शब्दों में, जिस सर्वनाम का प्रयोग वक्ता तथा श्रोता के अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति के लिए किया जाता है, उसे अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं।

जैसे – वह, वे, उसका, उसकी, उसके, यह, ये, इसका, इसके आदि।

(i) **<u>वह</u>** कल स्कूल आया था। (ii) **<u>उन्हें</u>** अपना काम करने दो।

(iii) **<u>वे</u>** मैच कल खेलेंगे। (iv) **<u>यह</u>** मेरा खिलौना है।

(v) **<u>उन्होंने</u>** अपना काम कर लिया है।

2. निजवाचक सर्वनाम

- वे सर्वनाम शब्द जिनका प्रयोग व्यक्ति/कर्ता के लिए या कर्ता के साथ अपनत्व प्रकट करने के लिए करता है, उसे निजवाचक सर्वनाम कहते हैं। दूसरे शब्दों में, जहाँ 'आप' शब्द का प्रयोग आदरसूचक के अर्थ में न होकर स्वयं अपने लिए होता है, उसे निजवाचक सर्वनाम कहते हैं।

जैसे– स्वयं, खुद, स्वत:, आप, अपने आप, निज आदि।

(i) यह कार्य मैं **<u>अपने आप</u>** कर लूंगा।

(ii) मैं अपना कार्य **<u>स्वयं</u>** करता हूं।

(iii) विकास अपना खाना **<u>खुद</u>** पकाता है।

(iv) मैं **<u>अपने</u>** पिताजी के साथ जाऊंगा।

विशेष :- जहाँ **'आप'** शब्द श्रोता के लिए प्रयोग हो वहाँ यह आदरसूचक मध्यम पुरुष होता है और जहाँ आप शब्द का प्रयोग वक्ता द्वारा अपने लिए हो वहाँ निजवाचक सर्वनाम होता है।

जैसे-

(i) मेरी बहन स्कूटर अपने आप चलाती है।

3. निश्चयवाचक सर्वनाम

- जिन सर्वनाम शब्दों से किसी निश्चित वस्तु/प्राणी/घटना के संबंध में निश्चितता का बोध होता है, निश्चयवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

जैसे – यह, वह, वे, ये, इसका, इनका, उसका, उनका आदि।

(i) **<u>वह</u>** तो राम है। (ii) **<u>यह</u>** मेरी पुस्तक है।

(iii) नेहा **<u>मेरी</u>** बहन है, **<u>वह</u>** दिल्ली में रहती है।

(iv) **<u>वे</u>** सामान लेने बाज़ार गए हैं। (v) **<u>ये</u>** हिरन हैं।

4. अनिश्चयवाचक सर्वनाम

- जिन सर्वनाम शब्दों से किसी निश्चित वस्तु का बोध न हो, अर्थात् वे सर्वनाम शब्द जो किसी अनिश्चित वस्तु/ प्राणी/ घटना के संबंध में प्रयुक्त किए जाते हैं, अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

जैसे– कोई, कुछ, किसी, किन्हीं।

(i) बाहर **<u>कोई</u>** खड़ा है।(ii) **<u>किसी</u>** ने उसको उपहार भेजा।

(iii) उसके हाथ में **<u>कुछ</u>** है।

- **नोट-** प्रायः सजीव वस्तुओं के लिए **'कोई'** आता है और निर्जीव प्राणियों के लिए **'कुछ'** आता है।

5. सम्बन्धवाचक सर्वनाम

- वे सर्वनाम शब्द जो किसी संज्ञा या सर्वनाम शब्दों/वाक्यांशों के बीच सम्बन्ध का बोध कराते हैं, अर्थात् प्रधान उपवाक्य से आश्रित उपवाक्य का सम्बन्ध प्रकट करते हैं, सम्बन्ध वाचक सर्वनाम कहलाते हैं।
- **दूसरे शब्दों में** - एक सर्वनाम का सम्बन्ध दूसरे सर्वनाम से जोड़ने वाले शब्द संबंधवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

जैसे– जो-सो, जो-वह, जिसकी-उसकी, जैसी-वैसी, जितना-उतना, जिसको-उसको, जिससे-उससे, जैसा-वैसा।

(i) **तेते** पाँव पसारिए, **जेती** लांबी सौर।

(ii) **जो** बोओगे **सो** काटोगे।

(iii) **जिसकी** लाठी **उसकी** भैंस।

(iv) **जो** करेगा **सो** भरेगा।

(v) **जैसा** कर्म करेगा **वैसा** फल मिलेगा।

6. प्रश्नवाचक सर्वनाम

◈ वे सर्वनाम शब्द जो किसी वस्तु, स्थान, घटना के संबंध में प्रश्न का बोध कराते हैं, प्रश्नवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

जैसे– क्या, किसे, कौन, किसका, किसकी, किसके, किसने आदि।

(i) दरवाजे पर **कौन** है? (ii) तुम्हारे हाथ में **क्या** है?

(iii) यह **किसकी** पुस्तक है? (iv) कुर्सी पर **कौन** बैठा हुआ है?

(v) तुम **कहाँ** जा रहे हो? (vi) तुमने यह काम **कैसे** किया?

B. वचन, कारक और लिंग के अनुसार सर्वनाम के रूप :-

◈ वचन, कारक और लिंग के अनुसार सर्वनामों के जो रूप होते हैं, उनका संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है-

सर्वनामों में वचन

	उत्तम पुरुष	मध्यम पुरुष	अन्य पुरुष
एकवचन	मैं	तू	वह
बहुवचन	हम	तुम, आप	वे, आप

(‘आप’ आदरसूचक सर्वनाम है। इसका प्रयोग मध्यम पुरुष एवं अन्य पुरुष दोनों में होता है।)

◈ **सर्वनामों में लिंग :-** सर्वनाम शब्द के रूपों में लिंग के कारण कोई परिवर्तन नहीं होता। सर्वनाम शब्द स्त्री-पुरुष दोनों के लिए एक ही रूप में प्रयुक्त होते हैं। सर्वनाम शब्द का लिंग उसके साथ प्रयुक्त क्रिया से जाना जाता है या उस शब्द से जाना जाता है जिसके स्थान पर उसका प्रयोग हुआ हो।

जैसे –

(i) राम परिश्रम करता है, वह प्रथम आएगा। (यहाँ ‘वह’ पुल्लिंग है।)।

(ii) सीता परिश्रम करती है, वह प्रथम आयेगी। (यहाँ ‘वह’ स्त्रीलिंग है।)

◈ **सर्वनामों में कारक रूप रचना :-** संज्ञा शब्दों की भाँति सर्वनाम शब्दों की भी रचना होती है। सर्वनाम शब्दों के प्रयोग के समय जब उनमें कारक चिह्नों को प्रयोग करते हैं, तो उनके रूप में परिवर्तन आ जाता है।

◈ **मैं (उत्तम पुरुष)**

कारक	एकवचन	बहुवचन
कर्ता	मैं, मैंने	हम, हमने
कर्म	मुझे, मुझको	हमें, हमको
करण	मुझसे, मेरे द्वारा	हमसे, हमारे द्वारा
संप्रदान	मुझे, मेरे लिए	हमें, हमारे लिए
अपादान	मुझसे (पृथक्)	हमसे (पृथक)
संबंध	मेरा, मेरे, मेरी	हमारा, हमारे, हमारी
अधिकरण	मुझमे, मुझ पर	हममें, हम पर

◈ **तू (मध्यम पुरुष)**

कारक	एकवचन	बहुवचन
कर्ता	तू, तने	तुम, तुमने
कर्म	तुझे, मुझको	तुम्हें, तुमको
करण	तुझसे, तेरे द्वारा	तुमसे, तुम्हारे से
संप्रदान	तुझे, तुझको, तेरे लिए	तुम्हारे लिए, तुम्हें
संबंध	तेरा, तेरे, तेरी	तुम्हारा, तुम्हारे, तुम्हारी
अधिकरण	तुझमें, तुझ पर	तुमसे, तुम पर

◈ **वह (निश्चयवाचक)**

कारक	एकवचन	बहुवचन
कर्ता	वह, इसने	ये, इन्होंने
कर्म	इसे, इसको	इन्हें, इनको
करण	इससे, इसके द्वारा	इनसे, इनके द्वारा
संप्रदान	इसे, इसके लिए, इसको	इन्हें, इनके लिए
अपादान	इससे (पृथक)	इनसे (पृथक)
संबंध	इसका, इसकी, इसके	इनका, इनकी, इनके
अधिकरण	इसमें, इस पर	इनसे, इन पर

अभ्यास प्रश्न

1. नीचे दिए गए दोनों वाक्यों को ध्यान से पढ़िए:

1. यह मेरी पुस्तक है।

2. यह पुस्तक मेरी है।

रेखांकित शब्दों के संबंध में सही व्याकरणिक कोटि चुनिए:

(a) 1. सार्वनामिक विशेषण, 2. निश्चयवाचक सर्वनाम

(b) 1. निश्चयवाचक सर्वनाम, 2. सार्वनामिक विशेषण

(c) दोनों वाक्यों में निश्चयवाचक सर्वनाम है।

(d) दोनों वाक्यों में सार्वनामिक विशेषण है। **[b]**

2. 'आप' सर्वनाम शब्द का प्रयोग हिंदी व्याकरण में किन-किन रूपों में किया जा सकता है?

1. मध्यम पुरुषवाचक (आदरसूचक) के रूप में।

2. निजवाचक (स्वयं के अर्थ में) के रूप में।

3. अन्य पुरुषवाचक (किसी प्रसिद्ध व्यक्ति के परिचय में) के रूप में।

4. निश्चयवाचक (संकेत के अर्थ में) के रूप में।

सही विकल्प चुनिए:

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 1, 2 और 3

(c) केवल 2, 3 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4 सभी **[b]**

3. सर्वनाम के विकारी रूपों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. सर्वनाम शब्दों में संबोधन कारक (हे! अरे!) नहीं होता है।

2. लिंग बदलने पर सर्वनाम शब्दों के मूल रूप में कोई परिवर्तन नहीं होता, केवल क्रिया बदलती है।

3. हिंदी में सर्वनामों की कुल संख्या 6 और उनके भेदों की संख्या 11 है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3 सभी **[a]**

4. "मेरे को आज एक आवश्यक कार्य से दिल्ली जाना है, इसलिए तुम तुम्हारा काम स्वयं कर लेना।" इस वाक्य में क्रमशः किन सर्वनाम भेदों/रूपों संबंधी अशुद्धि है?

(a) उत्तम पुरुषवाचक और निजवाचक

(b) उत्तम पुरुषवाचक और मध्यम पुरुषवाचक

(c) मध्यम पुरुषवाचक और निश्चयवाचक

(d) केवल उत्तम पुरुषवाचक **[b]**

5. "दूध में कुछ गिरा है" और "द्वारे पर कोई खड़ा है।" इन वाक्यों में प्रयुक्त 'कुछ' और 'कोई' सर्वनामों के संदर्भ में सत्य कथन चुनिए:
(a) 'कुछ' सजीव के लिए और 'कोई' निर्जीव के लिए आता है।
(b) 'कुछ' अप्राणिवाचक (निर्जीव/वस्तु) के लिए और 'कोई' प्राणिवाचक (सजीव) के लिए आता है।
(c) दोनों का प्रयोग केवल सजीवों के लिए ही किया जा सकता है।
(d) दोनों का प्रयोग केवल निर्जीवों के लिए ही किया जा सकता है। [b]

6. सूची-i (वाक्य) को सूची-ii (सर्वनाम के भेद) से सुमेलित कीजिए:

सूची-i (वाक्य)	सूची-ii (सर्वनाम भेद)
(A) जैसा करोगे, वैसा भरोगे।	(1) मध्यम पुरुषवाचक
(B) मैं अपने आप वस्त्र धो लूंगा।	(2) प्रश्नवाचक
(C) आप कहाँ जा रहे हैं?	(3) संबंधवाचक
(D) वहाँ कौन चिल्ला रहा है?	(4) निजवाचक

सही कूट चुनिए
(a) A-3, B-4, C-1, D-2 (b) A-4, B-3, C-2, D-1
(c) A-3, B-1, C-4, D-2 (d) A-1, B-4, C-3, D-2 [a]

7. 'तू' सर्वनाम का प्रयोग निम्नलिखित में से किस भाव या संदर्भ को प्रकट करने के लिए 'नहीं' किया जाता है?
(a) अत्यधिक आत्मीयता या निकटता प्रकट करने के लिए
(b) अनादर, तिरस्कार या क्रोध व्यक्त करने के लिए
(c) ईश्वर या आराध्य के प्रति पूर्ण समर्पण दर्शाने के लिए
(d) अपरिचित वरिष्ठ व्यक्तियों को सम्मान देने के लिए [d]

8. "जिसने भी यह अपराध किया है, उसे कड़ी सजा मिलेगी।" इस वाक्य में 'जिसने' और 'उसे' पदों का सही व्याकरणिक वर्गीकरण क्या है?
(a) दोनों ही स्वतंत्र निश्चयवाचक सर्वनाम हैं।
(b) 'जिसने' संबंधवाचक सर्वनाम है और 'उसे' सह-संबंधवाचक (नित्य-संबंधी) सर्वनाम है।
(c) 'जिसने' निजवाचक सर्वनाम है और 'उसे' अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम है।
(d) दोनों ही अनिश्चयवाचक सर्वनाम के रूप हैं। [b]

9. ये आम <u>उसके लिए</u> हैं। इस वाक्य में रेखांकित अंश है–
(a) अन्य पुरुष, एक वचन, सम्प्रदान
(b) मध्यम पुरुष, एकवचन, सम्प्रदान
(c) उत्तर पुरुष, एक वचन, अपादान
(d) मध्यम पुरुष, एक वचन, सम्प्रदान [a]

10. कौन-सा समूह प्रश्नवाचक सर्वनामों का है?
(a) वह, उसकी, हम (b) किसी, तुम, क्या
(c) जिसे, जैसा, हमारा (d) कौन, किसे, कब। [d]

11. निम्नलिखित वाक्यों में से निजवाचक सर्वनाम का उदाहरण कौन सा है?
(a) जो झूठ बोलता है वह कभी आगे नहीं बढ़ सकता।
(b) यह लाना ज़रा।
(c) कौन है वहाँ, सामने आओ।
(d) मैं स्वयं चला जाऊँगा। [d]

12. सूची-1 का सूची-2 के साथ मिलान कीजिए :

सूची-1 (सर्वनाम)	सूची-2 (सार्वनामिक वाक्य)
(A) पुरुषवाचक सर्वनाम	(i) देखो तो कौन आया है?
(B) अनिश्चयवाचक सर्वनाम	(ii) मैं अपने आप चला जाऊँगा।
(C) प्रश्नवाचक सर्वनाम	(iii) कुछ दे दीजिए।
(D) निजवाचक सर्वनाम	(iv) आजकल वह शांत रहता है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:
(a) (A)-(iii), (B)-(i), (C)-(ii), (D)-(Iv)
(b) (A)-(iv), (B)-(iii), (C)-(ii), (D)-(i)
(c) (A)-(ii), (B)-(iv), (C)-(iii), (D)-(i)
(d) (A)-(iv), (B)-(iii), (C)-(i), (D)-(ii) [d]

13. किसमें सभी सर्वनाम प्रश्नवाचक है?
(a) कौन, क्या, किसने
(b) जो, कोई, वह
(c) जिनका, जो, किनका
(d) जिन्होंने, उन पर, उसको [a]

14. 'शायद कमरे में <u>कोई</u> छिपा हुआ है' इस वाक्य में रेखांकित शब्द है?
(a) प्रश्नवाचक सर्वनाम
(b) संबंधवाचक सर्वनाम
(c) अनिश्चयवाचक सर्वनाम
(d) निजवाचक सर्वनाम [c]

15. 'आपके बारे में कल कोई कुछ कह रहा था।' इस वाक्य में इनमें से किन–किन सर्वनामों का प्रयोग हुआ है?
(a) निश्चयवाची, मध्यम पुरुष
(b) अन्यपुरुष, अनिश्चयवाची
(c) अनिश्चयवाची, मध्यम पुरुष
(d) निजवाचक, संबंध वाचक [c]

16. सर्वनाम और सार्वनामिक विशेषण के अंतर्संबंधों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
कथन [I]: "यह मेरा घर है" वाक्य में 'यह' शब्द एक निश्चयवाचक सर्वनाम का उदाहरण है।
कथन [II]: "यह घर मेरा है" वाक्य में 'यह' शब्द सर्वनाम न होकर एक सार्वनामिक विशेषण की तरह कार्य कर रहा है।
सही कूट का चयन करें:
(a) कथन [I] और कथन [II] दोनों सत्य हैं।
(b) कथन [I] और कथन [II] दोनों असत्य हैं।
(c) कथन [I] सत्य है, कथन [II] असत्य है।
(d) कथन [I] असत्य है, कथन [II] सत्य है। [a]

17. पुरुषवाचक सर्वनाम (Personal Pronoun) के उपभेदों और उनके उदाहरणों की दृष्टि से निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प असंगत (त्रुटिपूर्ण) है?
(a) उत्तम पुरुष (वक्ता) — मैं, हम, मेरा, हमारा
(b) मध्यम पुरुष (श्रोता) — तू, तुम, आप, तुम्हारा
(c) अन्य पुरुष (जिसके बारे में बात हो) — वह, वे, यह, ये
(d) निज पुरुष (विशिष्ट भेद) — जो, सो, जिसका, उसका [d]

♦♦♦♦

विशेषण 05

अर्थ एवं परिभाषा –

- विशेषण का कार्य किसी वस्तु या कार्य का यथार्थ परिचय देना है। प्रत्येक प्राणी, वस्तु या स्थान आदि के गुण, रूप, आकार, अवस्था, रंग, गणना आदि की दृष्टि से उसके अनेक गुण होते हैं, ऐसे गुणों को व्यक्त करने में विशेषण पद सहायक होते हैं।
- विशेषण वह शब्द भेद है, जो संज्ञा और सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताता है।
- **संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताने वाले** शब्दों को **विशेषण कहते हैं।**

उदाहरण के लिए, सफ़ेद कुर्ता, ईमानदार आदमी, लाल मिर्च, नीला गगन। यहाँ रेखांकित पद विशेषण है।

जैसे-

(i) **रूप** – मीरा **सुंदर** लड़की है।
(ii) **आकार** – उसके पास **चौकोर** बर्तन है।
(iii) **अवस्था** – वह **बूढ़ा** व्यक्ति है।
(iv) **रंग** – विवेक ने **काला** कुर्ता पहना है।
(v) **गुण** – वह एक **होनहार** लड़का है।

विशेष्य –

विशेषण के द्वारा जिस संज्ञा और सर्वनाम शब्दों **की विशेषता** प्रकट की **जाती है**, वे शब्द **विशेष्य कह**लाते हैं।

जैसे– उदाहरण के लिए, सफेद **कुर्ता**, ईमानदार **आदमी**, लाल **मिर्च**, नीला **गगन।** यहाँ कुर्ता, आदमी, मिर्च और गगन की विशेषता बताई गई है, अतः रेखांकित पद विशेष्य है।

जैसे-

वाक्य	विशेषण	विशेष्य
मीरा सुंदर लड़की है।	सुंदर	लड़की
उसके पास चौकोर बर्तन है।	चौकोर	बर्तन
वह बूढ़ा व्यक्ति है।	बूढ़ा	व्यक्ति
विवेक ने काला कुर्ता पहना है।	काला	कुर्ता
वह एक होनहार लड़का है।	होनहार	लड़का

प्रविशेषण–

अनेक बार ऐसे शब्दों का भी प्रयोग कर दिया जाता है, जो विशेषण की भी विशेषता प्रकट करते हैं।

विशेषण शब्दों **की विशेषता बताने वाले शब्द प्रविशेषण कहलाते हैं।**

जैसे–

वाक्य	प्रविशेषण	विशेषण	विशेष्य
यह अत्यंत कमजोर बच्चा है।	अत्यंत	कमजोर	बच्चा
वह बहुत मोटा आदमी है।	बहुत	मोटा	आदमी
गिलास में थोड़ा मीठा दूध है।	थोड़ा	मीठा	दूध
रमा अत्यंत प्रभावशाली है।	अत्यंत	प्रभावशाली	रमा
सीता बहुत सुन्दर है।	बहुत	सुन्दर	सीता

वाक्य में स्थान के आधार पर विशेषण -

1. विशेष्य विशेषण (उद्देश्य विशेषण)–

- जब वाक्य में **विशेषण,** विशेष्य **के पूर्व प्रयुक्त** होता **है**, उन्हें **विशेष्य विशेषण कहते हैं।**

जैसे–

(i) उसके पास **काली गाय** है।
(ii) **चतुर बालक** अपना काम कर लेते हैं।

- उपर्युक्त वाक्यों में प्रयुक्त शब्द **'काली'** और **'चतुर'** विशेषण है, जो **'गाय'** और **'बालक'** विशेष्यों से पहले प्रयुक्त हुए हैं। अतः ये विशेष्य विशेषण (उद्देश्य विशेषण) हैं।

2. विधेय विशेषण –

- जब वाक्य में **विशेषण,** विशेष्य शब्द **के** बाद **प्रयुक्त** होता **है**, उन्हें विधेय **विशेषण कहते हैं।**

जैसे–

(i) यह **करेला कड़वा** है। (ii) वैभव **आलसी** है।

- उपर्युक्त वाक्यों में प्रयुक्त शब्द **'कड़वा'** और **'आलसी'** विशेषण है, जो **'करेला'** और **'वैभव'** विशेष्यों के बाद प्रयुक्त हुए हैं। अतः ये विधेय विशेषण हैं।

विशेषण के भेद– 5

1. गुणवाचक विशेषण
2. संख्यावाचक विशेषण
3. परिमाणवाचक विशेषण
4. सार्वनामिक (संकेतवाचक) विशेषण
5. व्यक्तिवाचक विशेषण

गुणवाचक विशेषण

- वे विशेषण शब्द जो किसी संज्ञा या सर्वनाम के किसी गुण, रूप, रंग, आकार, स्वभाव, दशा, दिशा, काल, स्थान या दोष इत्यादि का बोध कराते हैं, गुणवाचक विशेषण कहलाते हैं।

जैसे– ईमानदार इंसान, सुंदर बच्चा, लाल कुर्ता, दयालु औरत, गरीब आदमी, इत्यादि।

(i) यह आम **मीठा** है।
(ii) उसके पास **खोटा** सोना है।

गुणवाचक विशेषण के कुछ रूपों के उदाहरण इस प्रकार हैं –

(1) **गुणबोधक =** सुंदर, बलवान, विद्वान्, भला, उचित, अच्छा, ईमानदार, सरल, विनम्र, बुद्धिमान, सच्चा, दानी, न्यायी, सीधा, शान्त आदि।

(2) **दोष बोधक =** बुरा, लालची, दुष्ट, अनुचित, झूठा, क्रूर, कठोर, घमंडी, बेईमान, पापी आदि।

(3) **रंगबोधक =** लाल, पीला, सफेद, नीला, हरा, काला, बैंगनी, सुनहरा, चमकीला, धुंधला, फीका आदि।

(4) **अवस्थाबोधक =** लम्बा, पतला, अस्वस्थ, दुबला, मोटा, भारी, पिघला, गाढ़ा, गीला, सूखा, घना, गरीब, उद्यमी, पालतू, रोगी, स्वस्थ, कमजोर, हल्का, बूढ़ा, अमीर आदि।

(5) **स्वादबोधक =** खट्टा, मीठा, नमकीन, कड़वा, तीखा, सुगंधित आदि।

(6) **आकारबोधक =** गोल, चौकोर, सुडौल, नुकीला, लम्बा, चौड़ा, सीधा, तिरछा, बड़ा, छोटा, चपटा, ऊँचा, मोटा, पतला, पोला आदि।

(7) स्थानबोधक = उजाड़, चौरस, भीतरी, बाहरी, ऊपरी, सतही, दायाँ, बायाँ, स्थानीय, देशीय, क्षेत्रीय, असमी, पंजाबी, अमेरिकी, भारतीय, विदेशी, ग्रामीण, जापानी, मैदानी, पहाड़ी आदि।

(8) कालबोधक = नया, पुराना, ताजा, भूत, वर्तमान, भविष्य, प्राचीन, अगला, पिछला, मौसमी, आगामी, टिकाऊ,
नवीन, सायंकालीन, आधुनिक, वार्षिक, मासिक, अगला, पिछला, दोपहर, संध्या, सवेरा आदि।

(9) दिशाबोधक = निचला, ऊपरी, उत्तरी, पूर्वी, दक्षिणी, पश्चिमी आदि।

(10) स्पर्शबोधक = मुलायम, सख्त, ठंडा, गर्म, कोमल, कठोर, खुरदरा आदि।

(11) भावबोधक = अच्छा, बुरा, कायर, वीर, डरपोक आदि।

(12) दशाबोधक = रोगी, दुबला, बलवान, गरीब, अमीर, पुराना, नया आदि।

(13) गंधबोधक = सुगंधित, खुशबूदार, बदबूदार, गंधहीन, सोंधा आदि।

उदाहरण :-

(i) दिल्ली में हमारा **पुराना** घर है।
(ii) राम एक **अच्छा** आदमी है।
(iii) मुझे **लाल** सेब बहुत पसंद हैं।
(iv) मटके का पानी **बहुत** ठंडा है।
(v) उसने **सफेद** कमीज पहनी है।
(vi) बगीचे में **सुंदर** फूल हैं।
(vii) ममता एक बहुत **बुद्धिमान** लड़की है।
(viii) महेश के मामा बहुत **मोटे** हैं।
(ix) हमें कभी **झूठ** नहीं बोलना चाहिए।
(x) दवाई बहुत **कड़वी** है।

संख्यावाचक विशेषण

◈ वे विशेषण शब्द जो किसी संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की संख्या संबंधी विशेषता का बोध कराते हैं, संख्यावाचक विशेषण कहलाते हैं।

जैसे– **एक** पेन, **चार** पुस्तकें, **कुछ** लोग, **बहुत** कुर्सियाँ इत्यादि।

(i) आज कक्षा में **बीस** छात्र आए हैं।
(ii) मंदिर में प्रतिदिन **बहुत** दर्शनार्थी आते हैं।

1. संख्यावाचक विशेषण के भेद–

(क) निश्चित संख्यावाचक विशेषण–

◈ वे विशेषण शब्द जो किसी संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की निश्चित संख्या का बोध कराते हैं, निश्चित संख्यावाचक विशेषण कहलाते हैं।

जैसे– दस बोतल, **चार** पुस्तकें, **दो दर्जन** केले इत्यादि।

(i) मेरे पास **आठ** आम हैं।
(ii) मेरी माँ **दो दर्जन** केले लायी।

2. निश्चित संख्यावाचक विशेषण के भेद-

(I) गणनावाचक - गणनावाचक विशेषण भी दो प्रकार के होते हैं-
(i) पूर्णांकबोधक - एक, दो, तीन, सौ, हजार।
(ii) अपूर्णांकबोधक - पाव, आधा, पौन, सवा, ड्योढ़ा।
(II) क्रमवाचक - पहला, दूसरा, तीसरा, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ।
(III) आवृत्तिवाचक - दुगुना, चौगुना, द्विगुण आदि।
(IV) समूहवाचक (समुदायवाचक) - सातों बहिनें, पाँचों पीर, दोनों भाई, सैकड़ों लोग।
(V) प्रत्येक बोधक (हरवाचक) - हर पल, हर घड़ी, प्रत्येक।

अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण

◈ वे विशेषण शब्द जो किसी संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की निश्चित संख्या का बोध नहीं करा पाते हैं, अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण कहलाते हैं।

जैसे– थोड़े, बहुत, कम, ज्यादा, कुछ, काफी, कई इत्यादि।

(i) बाहर कुछ लोग लड़ रहे हैं।
(ii) मंदिर हादसे में काफी लोग मारे गए।

4. परिमाणवाचक विशेषण–

◈ वे विशेषण शब्द जो किसी संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की माप-तौल संबंधी विशेषता का बोध कराते हैं, परिमाणवाचक विशेषण कहलाते हैं।

जैसे– दो मीटर कपड़ा, चार लीटर दूध, थोड़े चावल इत्यादि।

(i) मुझे पचास किलो दाल लेनी है।
(ii) उसे कुछ अनाज दान कर दो।

5. परिमाणवाचक विशेषण के उपभेद–

(क) निश्चित परिमाणवाचक विशेषण – वे विशेषण शब्द जो किसी संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की नाप/माप/तौल ` इत्यादि की निश्चितता का बोध कराते हैं, निश्चित परिमाणवाचक विशेषण कहलाते हैं।

जैसे– एक मीटर कपड़ा, **दो** लीटर दूध, **पचास** किलो आटा इत्यादि।

(i) मैं प्रतिदिन **एक लीटर** दूध खरीदता हूँ।
(ii) उसके पास **आठ एकड़** जमीन है।

(ख) अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण–

वे विशेषण शब्द जो किसी संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की नाप/माप/तौल इत्यादि की अनिश्चितता का बोध कराते हैं,
अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण कहलाते हैं।

जैसे– ढेर सारा सोना, थोड़ा घी, बहुत कपड़े, इत्यादि।

(i) मुझे थोड़ा-सा दही दे दो।
(ii) चुल्लू भर पानी में डूब मरो।

सार्वनामिक (संकेतवाचक) विशेषण

◈ वे सर्वनाम शब्द जो विशेषण शब्द के रूप में किसी संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता प्रकट करते हैं, सार्वनामिक (संकेतवाचक) विशेषण कहलाते हैं।

जैसे–

(i) इस गेंद का मूल्य दे दो।
(ii) यह पुस्तक अच्छी है।

सार्वनामिक विशेषण के भेद -

(क) निश्चयवाचक सार्वनामिक विशेषण-

◈ वे विशेषण शब्द जिनसे संज्ञा या सर्वनाम की निश्चयात्मकता का संकेत होता है, निश्चयवाचक/संकेतवाचक सार्वनामिक विशेषण कहलाते हैं।

जैसे- यह पुस्तक तुम्हारी है।

(ख)अनिश्चयवाचक सार्वनामिक विशेषण -

- वे विशेषण शब्द जिनसे संज्ञा या सर्वनाम की अनिश्चयात्मकता का बोध होता है, अनिश्चयवाचक सार्वनामिक विशेषण कहलाते हैं।

जैसे- बाहर कोई व्यक्ति खड़ा है।

(ग) प्रश्नवाचक सार्वनामिक विशेषण -

- वे विशेषण शब्द जिनसे संज्ञा या सर्वनाम से संबंधित प्रश्नों का बोध होता है, **प्रश्नवाचक सार्वनामिक विशेषण कहलाते हैं। जैसे-** वहाँ मैदान में कौन खेल रहा है?

(घ) संबंधवाचक सार्वनामिक विशेषण-

- वे विशेषण शब्द जिनसे संज्ञा या सर्वनाम शब्दों का संबंध वाक्य में प्रयुक्त अन्य संज्ञा या सर्वनाम शब्दों के साथ जोड़ा जाता है, संबंधवाचक सार्वनामिक विशेषण कहलाते हैं।

जैसे- जो खिलौना कल मैंने लिया, **वह** टूट गया।

व्यक्तिवाचक विशेषण

- ऐसे शब्द जो मूल रूप से व्यक्तिवाचक संज्ञा हैं किन्तु वाक्य में विशेषण का कार्य कर रहे हैं, उन्हें व्यक्तिवाचक विशेषण कहते हैं।
- यद्यपि ये स्वयं संज्ञा शब्द हैं किन्तु वाक्य में अन्य संज्ञा शब्द की ही विशेषता बता रहे हैं।

जैसे- बनारसी साड़ी, कश्मीरी सेब, बीकानेरी भुजिया आदि। इनमें बनारसी, कश्मीरी एवं बीकानेरी ऐसे ही संज्ञा शब्द हैं जो यहाँ विशेषण के रूप में प्रयुक्त हुए है।

सर्वनाम और सार्वनामिक विशेषण में अंतर–

- यदि कोई शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त हो, तो वह शब्द सर्वनाम कहलाता है, लेकिन जब वही शब्द संज्ञा के तुरन्त पहले प्रयुक्त हो और उस संज्ञा की विशेषता बताए, तो वह सार्वनामिक विशेषण कहलाता है।

जैसे–

(i) **यह** सुंदर है। **(सर्वनाम)**
यह कुर्ता सुंदर है। **(सार्वनामिक विशेषण)**
(ii) **वह** मेरी बहन है। **(सर्वनाम)**
वह लड़की मेरी बहन है। **(सार्वनामिक विशेषण)**

विशेषण की अवस्थाएँ–

- विशेषण की तुलनात्मक स्थिति को अवस्था कहते हैं।
- तुलना की दृष्टि से **विशेषण की तीन अवस्थाएँ हैं–**

1.मूलावस्था–

- विशेषण के जिस रूप में किसी वस्तु की तुलना नहीं होती है तथा वह अपने मूल रूप में रहता है, मूलावस्था कहलाती है।

जैसे–

(i) सीता **होशियार** है।
(ii) राम **अच्छा** गाता है।

2.उत्तरावस्था/मध्यमावस्था –

- विशेषण के जिस रूप में किसी दो वस्तुओं या संज्ञाओं के बीच तुलना की जाती है, उत्तरावस्था/मध्यमावस्था कहलाती है। मूलावस्था के शब्दों में 'तर' प्रत्यय लगाकर उत्तरावस्था/मध्यमावस्था बनती है।

जैसे–

(i) सीता मीरा से **होशियार** है।
(ii) राम आकाश **से अच्छा** गाता है।

3. उत्तमावस्था –

- विशेषण के जिस रूप में दो से अधिक दो वस्तुओं या संज्ञाओं में से किसी एक को किसी एक को श्रेष्ठता/न्यूनता बताई जाती है, उत्तमावस्था कहलाती है। मूलावस्था के शब्दों में **'तम'** प्रत्यय लगाकर उत्तमावस्था बनती है।

जैसे–

(i) सीता कक्षा में **सबसे होशियार** है।
(ii) राम समूह में **सबसे अच्छा गाता** है।

अवस्था परिवर्तन–

मूलावस्था	उत्तरावस्था	उत्तमावस्था
सुन्दर	सुन्दरतर	सुन्दरतम
उच्च	उच्चतर	उच्चतम
श्रेष्ठ	श्रेष्ठतर	श्रेष्ठतम
तीव्र	तीव्रतर	तीव्रतम
अच्छा	से अच्छा	सबसे अच्छा
ऊँचा	से अधिक ऊँचा	सबसे ऊँचा
प्रिय	प्रियतर	प्रियतम
लघु	लघुतर	लघुतम
द्रुत	द्रुततर	द्रुततम

1. सर्वनाम से विशेषण शब्दों की रचना -

सर्वनाम	विशेषण	सर्वनाम	विशेषण
कोई	कोई-सा	जो	जैसा
कौन	कैसा	वह	वैसा
मैं	मेरा/मुझ-सा	हम	हमारा
तुम	तुम्हारा	यह	ऐसा

2. क्रिया से विशेषण शब्दों की रचना -

क्रिया	विशेषण	क्रिया	विशेषण
भूलना	भुलक्कड़	खेलना	खिलाड़ी
पीना	पियक्कड़	लड़ना	लड़ाकू
अड़ना	अड़ियल	सड़ना	सड़ियल
घटना	घटित	लूटना	लुटेरा
पठ	पठित	रक्षा	रक्षक
बेचना	बिकाऊ	कमाना	कमाऊ
उड़ना	उड़ाकू	खाना	खाऊ
पत्	पतित	मिलन	मिलनसार

3. अव्यय से विशेषण शब्दों की रचना –

अव्यय	विशेषण	अव्यय	विशेषण
ऊपर	ऊपरी	पीछे	पिछला
नीचे	निचला	आगे	अगला
भीतर	भीतरी	बाहर	बाहरी

अभ्यास प्रश्न

1. **निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए –**
कथन (A): "यह लड़का बहुत होशियार है।" इस वाक्य में 'यह' एक सार्वनामिक विशेषण है।
कारण (B): जब कोई सर्वनाम शब्द किसी संज्ञा शब्द से ठीक पहले आकर उसकी विशेषता बताता है या उसकी ओर संकेत करता है, तो वह सर्वनाम न रहकर सार्वनामिक विशेषण बन जाता है।
विकल्प:-
(a) (A) और (B) दोनों सही हैं तथा (B), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (B) दोनों सही हैं परंतु (B), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है परंतु (B) गलत है।
(d) (A) गलत है परंतु (B) सही है। **[a]**

2. **"सुशील और कर्मठ कार्यकर्ताओं ने चिलचिलाती धूप में भी कठिन कार्य को बेहद सुगमता से पूरा कर लिया।" इस वाक्य में कुल कितने 'विशेषण' और कितने 'विशेष्य' प्रयुक्त हुए हैं?**
(a) चार विशेषण और तीन विशेष्य (b) पाँच विशेषण और चार विशेष्य
(c) चार विशेषण और दो विशेष्य (d) तीन विशेषण और तीन विशेष्य **[a]**

3. **"कमला सावित्री से <u>अधिक चतुर</u> है, परंतु लता इस कक्षा में <u>सर्वश्रेष्ठ</u> है।" इस वाक्य में रेखांकित पदों में विशेषण की अवस्थाओं का सही क्रम क्या है?**
(a) उत्तरावस्था और मूलावस्था (b) उत्तमावस्था और उत्तरावस्था
(c) उत्तरावस्था और उत्तमावस्था (d) मूलावस्था और उत्तमावस्था **[c]**

4. **विशेषण के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**
1. विशेषण शब्द जिस संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, उसे 'विशेष्य' कहा जाता है।
2. जब विशेषण शब्द विशेष्य से पहले आता है, तो उसे 'विधेय-विशेषण' कहते हैं।
3. 'ढाई' और 'पौने' अपूर्णांकबोधक निश्चित संख्यावाचक विशेषण के उदाहरण हैं।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3 सभी **[c]**

5. **सूची-I (वाक्य) को सूची-II (विशेषण के भेद) से सुमेलित कीजिए:**

सूची-I (वाक्य)	सूची-II (विशेषण भेद)
(1) सभा में सैकड़ों लोग उपस्थित थे।	(a) निश्चित परिमाणवाचक
(2) मुझे दो लीटर दूध चाहिए।	(b) प्रत्येकबोधक संख्यावाचक
(3) देश का हर एक नागरिक सजग है।	(c) अनिश्चित संख्यावाचक
(4) रास्ते में कुछ पानी गिर गया।	(d) अनिश्चित परिमाणवाचक

सही कूट चुनिए
(a) 1-c, 2-a, 3-b, 4-d (b) 1-a, 2-c, 3-d, 4-b
(c) 1-c, 2-d, 3-b, 4-a (d) 1-b, 2-a, 3-c, 4-d **[a]**

6. **"ऐसा आदमी मैंने आज तक नहीं देखा।" इस वाक्य में प्रयुक्त 'ऐसा' किस प्रकार का सार्वनामिक विशेषण है?**
(a) निश्चयवाचक सार्वनामिक विशेषण
(b) यौगिक सार्वनामिक विशेषण
(c) अनिश्चयवाचक सार्वनामिक विशेषण
(d) प्रश्नवाचक सार्वनामिक विशेषण **[b]**

7. **निम्नलिखित में से संज्ञा शब्दों से बने विशेषणों का सही समूह कौन सा है?**
1. धार्मिक 2. राष्ट्रीय
3. जहरीला 4. पढ़ाकू 5. थोड़ा
नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:
(a) केवल 1, 2 और 5 (b) केवल 2, 3 और 4
(c) केवल 1, 2 और 3 (d) केवल 1, 3 और 4 **[c]**

8. **निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प केवल संज्ञा शब्दों से निर्मित विशेषणों को दर्शाता है?**
1. दैनिक 2. वैज्ञानिक
3. हँसोड़ 4. गुलाबी 5. जैसा
नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:
(a) केवल 1, 2 और 4 (b) केवल 2, 3 और 5
(c) केवल 1, 3 और 4 (d) केवल 2, 4 और 5 **[a]**

9. **सूची I के साथ सूची II का मिलान कीजिए-**

सूची I (शब्द)	सूची II (विशेषण)
a. दुबला	I. संख्यावाचक विशेषण
b. पच्चीस	II. तुलनात्मक विशेषण
C. अत्यंत	III. गुणवाचक विशेषण
d. अधिक	IV. प्रविशेषण

नीचे दिये गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:
(a) a-III, b-I, c-IV, d-II (b) a-III, b-II, c-IV, d-I
(c) a-IV, b-I, c-II, d-III (d) a-II, b-IV, c-III, d-I **[a]**

10. **किस वाक्य में परिमाणवाचक विशेषण है?**
(a) सोहन पाँच किलो दूध पी गया।
(b) थोड़े बच्चे दिखाई दे रहे है।
(c) रमन पाँच केले खा गया।
(d) आज मैंने अधिक अंगूर खा लिए। **[a]**

11. **किस क्रम में 'परिमाणबोधक' विशेषण है?**
(a) आज मैंने अधिक केले खा लिए।
(b) उस पुस्तक को पढ़ो।
(c) मोहन दो किलो दूध पी गया।
(d) सोहन पाँच केले खा गया । **[c]**

12. **किस क्रम में निश्चित परिमाणवाचक विशेषण है?**
(a) एक एकड़ जमीन में धान की फसल खड़ी है।
(b) कुछ आटा और मिलाओ।
(c) कोई व्यक्ति आया हुआ है।
(d) उस पंखे को साफ करों। **[a]**

13. **व्याकरण की दृष्टि से कौन–सा कथन गलत है?**
(a) संज्ञा, सर्वनाम और क्रिया 'विकारी शब्द' है।
(b) विशेषण और क्रिया विशेषण 'अविकारी शब्द' हैं।
(c) 'अविकारी शब्दों' को अव्यय भी कहते हैं।
(d) क्रिया के प्रमुख रूप से दो भेद माने गये हैं, सकर्मक और अकर्मक। **[b]**

14. **निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य गुणवाचक विशेषण का उदाहरण नहीं है?**
(a) महंगाई में सेर-भर दूध भी खरीदना मुश्किल है।
(b) मुझे लाल-लाल टमाटर बहुत पसंद हैं।
(c) नीलिमा के पास चमकीले कपड़े हैं।
(d) कश्मीरी सेब लाल होता है। **[a]**

♦♦♦♦

विज्ञापन

मुश्किल परीक्षाएँ भी आसान लगेगी जब तैयारी होगी लक्ष्य क्लासेस के साथ

लक्ष्य क्लासेज उदयपुर

CET 12th & Graduation level

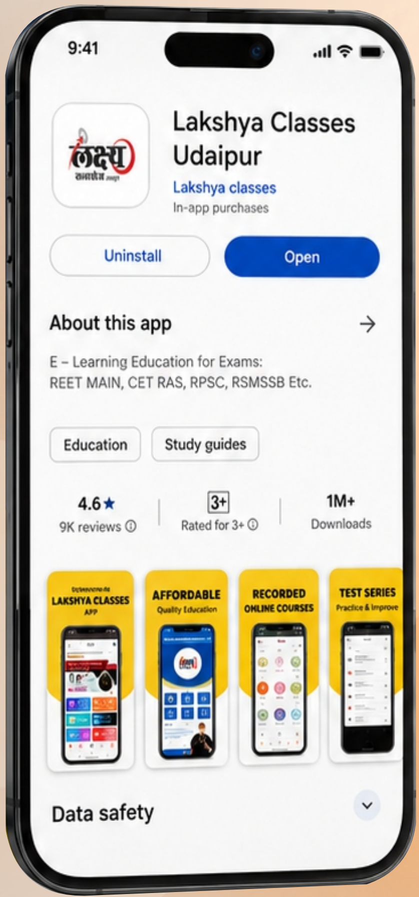

राजस्थान की अनुभवी टीम, अब एक ही प्लेटफार्म पर

OFFLINE & ONLINE LIVE FROM CLASSROOM AND RECORDED COURSE

- **Anil Choudhary Sir** – Math And Reasoning
- **Rahul Sir** – Science
- **Ratan Sir** – Rajasthan History
- **S.K. Sir** – Rajasthan Geography
- **Nagvinder Sir** – Indian & Rajasthan Polity
- **Pankaj Sir** – Art & Culture
- **Mukesh Sir** – हिन्दी

Scan to Download Lakshya App Now

Google play

व्याख्यात्मक हल **लक्ष्य क्लासेज़, उदयपुर** के यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध

MRP : ₹140

क्यों हैं लक्ष्य क्लासेज विशेष?

- व्यापक अध्ययन सामग्री
- MCQ की बुकलेट
- नियमित टेस्ट सीरीज
- पूर्णत: समर्पित यूट्यूब चैनल
- मासिक करंट अफेयर्स मैगज़ीन
- लाइब्रेरी सुविधा
- ऑनलाइन एप्लीकेशन एक्सेस
- अनुभवी एवं योग्य फैकल्टी
- सुसज्जित स्मार्ट क्लासरूम
- नियमित काउंसलिंग

S.No.AP0126 CODE : APDO(35) NRT

सफलता के पथ पर सबसे तेज उभरता हुआ संस्थान

लक्ष्य क्लासेज™

M. 9079798005, 6376491126

Plot No 1104, Shiksha Mandir, Sec 4, Circle, Main Road, Udaipur